• जयपुर, शुक्रवार, 11 अक्टूबर 24 • वर्ष 14 • अंक 56 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 राजस्थान सरकार ने अपना इकबाल दस माह में ही खो दिया : सचिन पायलट ...

पेज @4 जयपुर में केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का हुआ...

पेज @8 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली जिला कलक्टर्स की बैठक...

न्यूज अपडेट

अनंतनाग में अपहृत सेना के जवान की हत्या, शव बरामद, शरीर पर मिले गोलियों के निशान

अनंतनाग/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर हिंसा की घटना को अंजाम देते हुए प्रादेशिक सेना के एक जवान का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। सुरक्षाबलों ने जवान का शव बरामद कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों ने जंगल के एक इलाके में गश्त पर निकले दो टीए जवानों को घेर लिया और उनका अपहरण कर लिया। हालांकि, इनमें से एक जवान आतंकवादियों के चंगुल से भाग निकलने में सफल रहा।

शेष बचे जवान की तलाश में सुरक्षाबलों ने तत्काल एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। गहन खोज के बाद जवान का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में शव पर गोली के निशान पाए गए हैं।

जातीय हिंसा से प्रभावित 2,072 किसानों को मुआवजा देगी मणिपुर सरकार

इंफाल/एजेंसी। मणिपुर सरकार ने राज्य में 17 महीने से चल रहे जातीय संघर्ष से प्रभावित 2,072 किसानों को 13.3 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की सि-ाफारिश पर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कानून व्यवस्था संकट से प्रभावित किसानों के लिए मुआवजे को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों के अनुसार, इस धनराशि से क्षतिपूर्ति फसल पैकेज के दूसरे चरण के अंतर्गत 2,072 किसानों को राहत मिलेगी। राज्य के आयुक्त (गृह) एन. अशोक कुमार ने एक अधिसूचना में कहा कि इस जातीय संकट के दौरान किसानों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक

पिछली सरकार के एमओयू धरातल पर नहीं उतरे : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से राजस्थान में उद्योगों को एक नई दिशा मिलेगी तथा सभी के सहयोग से इस समिट को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में विपुल प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता के चलते निवेश की अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के एमओयू धरातल पर नहीं उतरे। हमने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट करने का निर्णय लिया है जिससे प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।

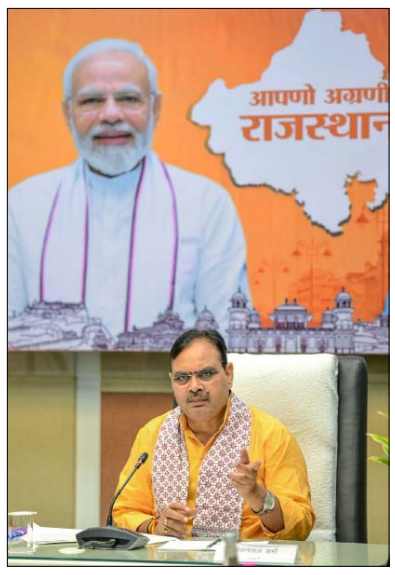

● बिजली, पानी तथा आधारभूत संरचना राज्य सरकार की प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि बिजली, पानी तथा आधारभूत संरचना का योजनाबद्ध तरीके से विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जो हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क और नौ ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेस वे विकसित करने की योजना भी बनाई गई है, जिनसे निवेशकों को और अधिक अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र भी प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे हैं।

● सीए-सीएस राज्य की बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीए-सीएस सहित अन्य प्रोफेशनल्स राज्य की बड़ी ताकत हैं। इन प्रोफेशनल्स की विश्वसनीयता रहती है तथा ये सरकार व उद्यमियों के हित में काम करते हैं। उन्होंने आशा जताई कि प्रोफेशनल्स राज्य को निवेश का हब बनाने तथा अधिक से अधिक निवेश लाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान के सीए और सीएस अपनी काबिलियत के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जहां भी रहते हैं, खुशहाली लाते हैं, आगे बढ़ते हैं और सभी को आगे बढ़ाते हैं। राजस्थानी प्रत्येक जगह पर अपनी कर्मठता से पहचान बनाते हैं।

● राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए हमारी टीम दिन रात काम में जुटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए हमारी टीम दिन-रात काम में जुटी हुई है। हमने नवनियुक्त आईएएस ऑफिसर को आयोजन के लिए नियुक्त किया है। साथ ही, देशभर में राजस्थान मूल के आईएएस अफसर, भूतपूर्व आईएएस अफसरों सहित सभी वर्गों से भी इस आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की जा रही है।

● राइजिंग राजस्थान में हम पूरा सहयोग देंगे- उद्यमी

बैठक में आए उद्योगपतियों एवं प्रोफेशनल्स ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए हम सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागिता करेंगे तथा आयोजन को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश लाने में पूरा सहयोग करेंगे। उद्योगपतियों ने युवाओं में उद्योग परक कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने, फिनटेक को प्रोत्साहित करने, निवेश को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग, स्टार्ट अप को प्रमोट करने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। इस दौरान खनन, रियल एस्टेट, हैंडीक्राफ्ट, सीए, मेडिकल डिवाइस, शिक्षा, फर्नीचर सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपतियों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में मशहूर उद्योगपति टाटा समूह के चेयरमैन स्व. रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, जीनस पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, एआरजी ग्रुप के चेयरमैन आत्मा राम गुप्ता, सीएस इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्याम अग्रवाल, सीए इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गोयल, गोलचा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन विक्रम गोलचा, महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर संजय पाराशर, पॉली मेडिकेयर के अध्यक्ष विशाल बैद, मर्चेन्ट बैंकर अशोक होलानी, सीए नरेन्द्र मित्तल, सीए प्रकाश शर्मा, सीए पीपी पारीक सहित विभिन्न उद्योगपति एवं सीए-सीएस मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने ली भर्ती परीक्षाओं की समीक्षा बैठक

1 लाख सरकारी नौकरियां देने के लिए मिशन मोड पर करें कार्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- समान पदों पर समान पात्रता लागू करने के लिए नियमों में एकरूपता लाने के निर्देश
- समय, संसाधनों और श्रम का सदुपयोग करते हुए एकसाथ आयोजित करें छोटी भर्तियां

चमकता राजस्थान

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि माता-पिता अपने जीवन की गाढ़ी कमाई लगाकर बच्चों को सरकारी नौक-री की तैयारी करवाते हैं। समय पर भर्तियां पूरी नहीं होने से न सिर्फ युवा बल्कि पूरे परिवार को निराशा हाथ लगती है। राज्य सरकार इस वर्ष 1 लाख सरकारी नौकरियां देक-र युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने इन भर्तियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए सभी विभागों को मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए।

न्यायालय में लंबित भर्ती प्रकरणों का समय पर हो निस्तारण

शर्मा ने कहा कि जिन भर्तियों की परीक्षाएं आयोजित हो चुकी हैं, उनके परिणाम जारी करने और दस्तावेज सत्यापन का कार्य विभागों के स्तर पर त्वरित गति से किया जाए। उन्होंने विभिन्न कारणों से न्यायालय में लम्बित भर्ती प्रकरणों में विभागों की ओर से प्रभावी पैरवी किये जाने के निर्देश दिए, ताकि इन प्रकरणों का समय पर निस्तारण हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाओं के आयोजन के लिए जिलों में स्थायी परीक्षा केन्द्र विकसित किए जाएं तथा वहां सीसीटीवी सहित अन्य सुरक्षा इंतेजाम किए जाएं ताकि परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ियां नहीं हों।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण श्रीमती अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव मुख्यमंत्री आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

भर्तियों में तेजी लाने के लिए सीएस की अध्यक्षता में बनेगी उच्च स्तरीय कमेटी

मुख्यमंत्री ने भर्तियों की प्रगति की नियमित अंतराल पर समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कमेटी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कमेटी भर्तियों में आने वाली व्यवहारिक बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने और नियमित मॉनिटरिंग का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विभागों में भर्तियों की स्थिति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भर्ती एजेंसियां भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिए कम पदों की भर्तियों को एकसाथ आयोजित करने पर भी विचार करे। उन्होंने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि एक जैसे पदों के लिए अलग-अलग विभागों में अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे समय, संसाधनों और श्रम का नुकसान होता है। साथ ही, अभ्यर्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इसे देखते हुए समान पदों के लिए समान पात्रता लागू करने के लिए नियमों में सरलीकरण तथा एकरूपता लाने के भी निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी वियनतियाने के लिए रवाना

कहा हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी से बहुत लाभ हुआ

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को लाओ पीडीआर के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि यह भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का प्रतीक है जिससे देश को बहुत लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह अपनी यात्रा के दौरान विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें और विश्व नेताओं के साथ बातचीत भी करेंगे। मोदी ने कहा कि 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओ पीडीआर के लिए प्रस्थान कर रहा हूं। यह एक विशेष वर्ष है क्योंकि हम अपनी एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मना रहे हैं, जिससे हमारे देश को पर्याप्त लाभ हुआ है। इस यात्रा के दौरान विभिन्न विश्व नेताओं के साथ विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत भी होंगी।

एक बयान में प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा।

आज, मैं 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री सोनेक्साय सिफांडोन के निमंत्रण पर वियनतियाने, लाओ पीडीआर की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। इस वर्ष हम अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक दशक पूरा कर रहे हैं। मैं हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और हमारे सहयोग की भावी दिशा तय करने के लिए आसियान नेताओं के साथ शामिल होऊंगा।

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है। आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं। एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम ''बाल विवाह को समाप्त करना'' था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है। दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं।

स्मृति शेष : रतन टाटा

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

जिंदगी भर कारोबार... कारोबार... बस कारोबार। जिद, जुनून और लगन के चलते बिजनेस के सिवा कुछ नहीं किया। ठोस फैसले लेते गए, सही साबित भी करते गए। दुनिया इन्हें रतन नवल टाटा के नाम से जानती-पहचानती है। भारत के सबसे बड़े और बेहद ईमानदार उद्योगपतियों में से एक रतन टाटा इतनी कमाई के बावजूद दुनिया के धनकुबरों की सूची में इसीलिए शुमार नहीं हो पाए, क्योंकि वह अपनी कमाई का 65 प्रतिशत हिस्सा दान कर देते थे। श्री टाटा यूं तो कम ही बोलते थे लेकिन जब बोलते थे, बेलौस। किसी को बुरा लगे तो लगे। हकीकत से उन्होंने कभी मुंह नहीं मोड़ा। वह महामारी के चलते कॉर्पोरेट जगत में छंटनी, उद्योगपतियों की नैतिकता सरीखे फैसलों पर आहत रहे। कहते थे, कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में सहानुभूति की कमी हो गई है। कोरोना के मुश्किल दौर में उद्यमियों और कंपनियों के लिए लम्बे समय तक काम करने और अच्छा प्रदर्शन करने वाले कारिंदों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। ये वे लोग हैं, जिन्होंने अपना पूरा करियर कंपनी के लिए लगा दिया है। संकट के समय आप इन्हें सपोर्ट करने की जगह बेरोजगार कर रहे हैं। श्री टाटा मानते थे कि मुनाफा कमाना गलत नहीं है, लेकिन यह काम भी नैतिकता से करना जरूरी है। यह सवाल बहुत जरूरी है, आप मुनाफा कमाने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं? यह सवाल खुद से लगातार पूछते रहना चाहिए, वे जो फैसले ले रहे हैं, क्या वे सही हैं? वह कंपनी ज्यादा दिन सर्वाइव नहीं कर सकती, जो अपने स्टाफ को लेकर संवेदनशील नहीं है। कर्मचारियों की छंटनी समाधान नहीं है। इससे पता चलता है, भारतीय कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में हमदर्दी का अभाव है। टाटा ग्रुप की कंपनियों में एयरलाइन्स, होटल बिज़नेस, फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो बिज़नेस शामिल हैं। ये ऐसे सेक्टर हैं, जहां कोरोना महामारी का सर्वाधिक असर हुआ था। एविएशन और होटल इंडस्ट्री की सूरत से हरेक वाकिफ है। ऑटो सेक्टर की भी हालत पतली थी। कारों की बिक्री में रिकॉर्ड गिरावट देखी गई। बावजूद इसके टाटा ग्रुप ने एक भी कर्मी को नौकरी से नहीं निकाला था। सिर्फ सॉफ्टवेयर समूह ने अपने शीर्ष मैनेजमेंट के वेतन में 20 पर्सेंट की कटौती की थी। दरियादिली में पीछे नहीं रहे। कोरोना से निपटने के लिए टाटा समूह ने पीएम केयर्स फंड में 1500 करोड़ का दान किया। नामचीन उद्योगपति श्री रतन टाटा मानते रहे, बिज़नेस का मतलब सिर्फ मुनाफा कमाना नहीं होता है। देशभर में लाखों-लाख लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। क्या इससे समस्या का हल हुआ? वह खुद ही जवाब देते थे, उन्हें नहीं लगता-ऐसा हो सकता है। आपको बिजनेस में नुकसान हुआ है, ऐसे में लोगों को नौकरी से

निकाल देना विकल्प नहीं है, बल्कि उनके प्रति आपकी जिम्मेदारी बनती है। आप इस माहौल में तब तक ज़िंदा नहीं रह पाएंगे, जब तक आप संवेदनशील नहीं रहते हैं। सबसे पहले लोगों के कार्यस्थल के बारे में आपको चिंतित होना चाहिए।

श्री टाटा साफ मानते रहे, मंदी के दौर में बने रहने के लिए आपको जो उचित और आवश्यक लगता है, उसके सन्दर्भ में आपको बदलना होगा। कोरोना संकट के दौर में कोई निश्चित तरीके से व्यापार करना जारी नहीं रख सकता है। इस महामारी के दौरान वर्क फॉर्म होम अच्छा उपाय है। ले-ऑफ कंपनी की समस्याओं को हल करने में मदद नहीं करेगा। आय का कोई सोर्स न होने के कारण लॉकडाउन के दौरान प्रचंड गर्मी में बिना साधन के श्रम शक्ति ने घर वापसी की। देश की सबसे बड़ी श्रम शक्ति को एक ही झटके में कह दिया गया, आपके लिए कोई काम नहीं है। उनके घरों तक भेजने की व्यवस्था नहीं की गई। रहने-खाने का बंदोबस्त नहीं किया। इससे क्षुब्ध श्री टाटा ने सवाल किया, ऐसा करने वाले आप कौन होते हैं? आप अपनी लेबर फोर्स के साथ इस तरह का बर्ताव क्यों करते हैं? क्या आपकी नैतिकता की यही परिभाषा है? टाटा ने इंडस्ट्री के शीर्ष अफसरों से पूछा, इस मुश्किल समय में उनका क्या कर्तव्य बनता है? उनके लिए नैतिकता की क्या यही परिभाषा है? जिन्होंने आपके लिए दिन-रात काम किया, आपने उन्हें ही छोड़ दिया। श्री टाटा का मानना रहा था कि कोई भी बिजनेस करते समय दो चीजों पर ध्यान देना हमेशा जरूरी है- पहला, किसी भी सिचुएशन में अपने स्टेक होल्डर्स या शेयर होल्डर्स से सामना करना। दूसरा, निचले तबके के कर्मचारियों को भी समझना। अगर कंपनी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति नाराज है तो उसका कोई न कोई कारण होता ही है। उसका सॉल्युशन निकालना भी जरूरी है। उन्होंने बताया था कि जिस वक्त उन्हें टाटा मोटर्स का चेयरमैन बनाया गया था, उसके कुछ समय बाद कंपनी में बहुत बड़ी स्ट्राइक हुई थी। उन्होंने उन दिनों 3 से 4 दिन प्लांट में ही बिताए। सभी को यह भरोसा दिलाया था, हम एक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यही है कि किसी भी कंपनी को उसके प्रॉफिट्स और परफॉरमेंस के आधार पर ही जज किया जाता है। प्रॉफिट कंपनी की आतंरिक स्थिति को कवर करता है। आजकल की कंपनियां वर्कर्स की खुशियों से ज्यादा अपने प्रॉफिट पर ध्यान देती हैं। ऐसा ही कुछ वर्कर्स के साथ भी है। ग्राहकों को भी सोचना चाहिए कि जिस कंपनी से वे डील कर रहे हैं, वे गुणवत्ता और कस्टमर सर्विस के अनुसार फेयर हैं या नहीं। एक कंपनी के तौर पर सोचना होगा कि क्या आप अपने कस्टमर्स के प्रति फेयर हैं? अगर कोई भी कंपनी, कस्टमर या वर्कर अपने एथिक्स भूल जाता है तो उसे एक वक्त पर उसका खामियाज़ा भुगतना ही होगा। कोविड की स्थिति में आपके पास भागने का विकल्प नहीं था। आपको बस यह स्वीकार करना था कि कोई भी कारण हो आपको परिस्थितियों के मुताबिक बदलना ही होगा। इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है 'वर्क फ्रॉम होम'। ऐसा पहली बार हुआ जब वर्कर्स को उनके वर्कप्लेस से फर्क नहीं पड़ा। किसी भी परिस्थिति में काम चालू रखना एक बड़ी बात है, इसीलिए लोगों ने 'वर्क फ्रॉम होम' को अपनाया।

बकौल श्री टाटा, आपके पास छिपने और भागने के लिए कोई जगह नहीं है। आप जहां भी जाते हैं, कोविड-19 महामारी आपको हिट करती है। ऐसे में बेहतर है कि हालात को स्वीकारें। पद्मभूषण और पद्मविभूषण से सम्मानित श्री टाटा ने कोरोना महामारी के दौरान एक पोर्टल से पहली बार अपनी बहुमूल्य राय साझा की थी। बोले, आपको उन बातों में बदलाव करना होगा, जिन्हें आप अच्छा मानते हैं या जो जिन्दा रहने के लिए जरूरी है। किसी भी व्यक्ति को अपनी ख्याली दुनिया से ज्यादा सच्ची असफलता के बारे में चर्चा करनी चाहिए। दुनिया का एक और कटु सत्य यह है कि हर कोई स्पॉटलाइट के पीछे है। उस सफलता को लोग प्रॉफिट से ही नापते हैं, इसीलिए आप प्रॉफिट को कभी भी इग्नोर नहीं कर सकते। सवाल यह उठता है कि उस प्रॉफिट को कमाने के लिए करना क्या है? कड़वी सच्चाई यह है, आप डिफिकल्ट सिचुएशन से भाग नहीं सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई थी, भारत की युवा शक्ति नैतिकता और रचनात्मकता के आधार पर दुनिया में पॉवरहाउस बनकर उभरेगी। हमें ज्यादा क्रिएटिव और इनोवेटिव बनने की दरकार है। श्री टाटा अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन इस महान हस्ती की हजारों-हजार प्रेरक कहानियां अनुकरणीय हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समानता को आगे बढ़ाने के लिए हर दिन हो बालिका दिवस

कालेश्वर मंडल

कुदरत भेद बनाती है भेदभाव नहीं. समाज कुदरत के बनाये भेद के आधार पर भेदभाव करने लगता है और बालिकाएँ समाज के हासिए में रह जाती है जब कि बालिकाओं को सम्मान देने और दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र के महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि समाज को बालिकाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक बनाया जाए इसके बावजूद आज बालिकाओ को शिक्षा में असमानता, बाल विवाह और यौन शोषण, स्वास्थ्य और पोषण तथा लैंगिक असामनता जैसे चुनौतियों से समाना कारना पड़ रहा है इसलिए समाज को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को इस स्वरूप में लेना चाहिए कि बालिकाओं के सभी मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उन्हें एक सशक्त और समान समाज में जीवन जीने का अधिकार दिलाना है। बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो ताकि वे बिना किसी भेदभाव के अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। लेखक कहते है पिछले 25 वर्षो से संथाल परगना में बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करते हुए देखा गया है कि संथाल परगना में गरीबी एक बड़ा कारण है जिससे बालिकाओं की शिक्षा छुट जाती है, तस्करी की शिकार हो जाती है, बाल मजदुरी करनी होती है, माता पिता बोझ समझकर कम उम्र में शादी कर देते है और उनकी सपना अधुरी रह जाती है खासकर पहाड़िया और अदिवासी समाज में इसकी स्थिति काफी भयावह है। इसलिए समाज को जागरूक होकर सोचना चाहिए कि हमारी बेटिया कैसे अपनी सपनों की उड़ान भर सकें और समाज को एक नई दिशा दे सके। हमें अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन बालिकाओं की शिक्षा के लिए समर्थन करना है, बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर सक्रिय होना है। स्थानीय स्तर पर बालिकाओं के सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। सपोर्ट सिस्टम बनाकर अपने परिवार और समुदाय में बालिकाओं को समर्थन देना है , ताकि वे अपनी क्षमता को पूरा कर सकें। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है, जो हमें बालिकाओं के अधिकारों, उनके भविष्य, और उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध करता है। इस दिवस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बालिका को अपने जीवन में सभी अवसर और समान अधिकार मिलें, ताकि वे निडर होकर अपने सपनों को साकार कर सकें। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए अपने स्तर पर कुछ न कुछ योगदान दें, ताकि एक ऐसा समाज बन सके, जहाँ हर बालिका सुरक्षित, शिक्षित, और सशक्त महसूस कर सके।

(लेखक बालिका सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।)

नवरात्र में नवमी को होती है मां सिद्धिदात्री की पूजा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

नवरात्र' शब्द से नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियों) का बोध होता है। इस अवधि में मां दुर्गा के नवरूपों की उपासना की जाती है। 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है, इसलिए दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्रि आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। मान्यता यह भी है कि नवरात्रि के दिनों में मां दुर्गा, धरती पर आती हैं और नौ दिनों तक अपने स्वागत करने वाले भक्तों के साथ रहती हैं।

मां दुर्गा की रचना देवताओं ने, राक्षसों के भयानक अत्याचारों को समाप्त करने के लिए की थी। महिषासुर और मां दुर्गा ने नौ दिन और नौ रात युद्ध किया था और अंत में, दसवें दिन, मां दुर्गा राक्षस महिषासुर को मारकर विजयी हुई थी। इसलिए नवरात्र के नौवें दिन, सभी लोग अपनी आजीविका और काम के उपकरणों की पूजा करते हैं। नवरात्र के अंतिम दिन यानि नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा-आराधना होती है। नवमी का विशेष महत्व होता है। मां दुर्गा का हर रूप अद्भुत और शारदीय नवरात्र के 9 दिन के बाद दशमी पर सिंदूर खेला, विसर्जन और रावण दहन का त्योहार मनाया जाता है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति है मां सिद्धिदात्री, जो सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली मां हैं। मां सिद्धिदात्री की कहानी उस समय शुरू होती है जब हमारा ब्रह्मांड एक गहरे शून्य से ज्यादा कुछ नहीं था। वह अंधकार से भरा हुआ था और जीवन का कोई चिह्न नहीं था। यह वह समय था जब देवी कुष्मांडा ने अपनी मुस्कान के तेज से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसके बाद मां कुष्मांडा ने भगवान ब्रह्मा- सृजन की ऊर्जा, भगवान विष्णु - पालन की ऊर्जा और भगवान शिव - विनाश की ऊर्जा - की, इस प्रकार त्रिमूर्ति का निर्माण हुआ। एक बार जब वे निर्मित हो गए, तो भगवान शिव ने मां कुष्मांडा से उन्हें पूर्णता प्रदान करने के लिए कहा। तो, मां कुष्मांडा ने एक और देवी का निर्माण किया जिसने भगवान शिव को 18 प्रकार की सिद्धियां प्रदान कीं। इनमें भगवान कृष्ण द्वारा वर्णित अष्ट सिद्धि (पूर्णता के 8 प्राथमिक रूप) के साथ-साथ पूर्णता के 10 माध्यमिक रूप भी शामिल हैं। यह देवी जिसमें भगवान शिव को ये सिद्धियां प्रदान करने की क्षमता थी, मां सिद्धिदात्री हैं - पूर्णता की दाता। अब, भगवान ब्रह्मा को शेष ब्रह्मांड का निर्माण करने के लिए कहा गया। हालांकि, उन्हें सृष्टि के लिए एक पुरुष और एक महिला की आवश्यकता थी, भगवान ब्रह्मा को यह कार्य बहुत चुनौतीपूर्ण लगा। उन्होंने मां सिद्धिदात्री से प्रार्थना की और उनसे उनकी मदद करने को कहा। भगवान ब्रह्मा के अनुरोध को सुनकर, मां सिद्धिदात्री ने भगवान शिव के आधे शरीर को एक महिला के शरीर में बदल दिया। इसलिए, भगवान शिव को अर्धनारीश्वर (अर्ध - आधा, नारी - महिला, ईश्वर - भगवान शिव को संदर्भित करता है) के रूप में भी जाना जाता है।

भगवान ब्रह्मा अब शेष ब्रह्मांड के साथ-साथ जीवित प्राणियों का निर्माण करने में सक्षम थे। तो, यह मां सिद्धिदात्री ही थीं जिन्होंने ब्रह्मांड के निर्माण में भगवान ब्रह्मा की मदद की और भगवान शिव को पूर्णता भी प्रदान की। मां सिद्धिदात्री को कमल या सिंह पर विराजमान दर्शाया गया है। उनकी चार भुजाएं हैं और प्रत्येक हाथ में शंख, गदा, कमल और चक्र है। ऐसा माना जाता है कि मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान का आशीर्वाद देती हैं और उनकी अज्ञानता को नष्ट करती है। मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है।

भगवान शिव ने भी मां सिद्धिदात्री की कृपा से ही तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं, इन सिद्धियों में अणिमा, महिमा, गरिमा, लधिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व शामिल हैं। इस देवी की कृपा से ही शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। हिमाचल के नंदा पर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है। यह भी मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की पूजा करने से बाकी मां दुर्गा के अन्य रूपों की उपासना भी स्वयं हो जाती है और अष्ट सिद्धि, नव निधि, बुद्धि और विवेक की प्राप्ति होती है।

मां सिद्धिदात्री का मन्त्र

सिद्धगन्धर्व- यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

भारत में कार्यालय समय के उपरांत कार्य का दबाव : समस्याएं और निवारण

मनतार सिंह

पुरे विश्व में और खास कर भारतीय उपमहाद्वीप में पेशेवर और व्यक्तिगत कर्मचारियों को उनके नियमित कार्यालय समय में कार्य निर्देष पालन और नियमित कार्यालय समय के उपरांत भी कार्य निर्देषों के दबाव के कारण सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाईओं का सामना करना पड़ रहा है. जो एक बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है। आधुनिक प्रौद्योगिकी के आगमन से और लचीले कामकाजी समय के मॉडल तथा संगठनों द्वारा उत्पादकता पर बढ़ते जोर के दबाव के चलते नियमित कार्यालय और व्यक्तिगत जीवन के बीच की सीमा बढ़ती जा रही है। इनडीड इंडिया द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि भारत में 66% से अधिक कर्मचारी नियमित समयों से अधिक काम करने के लिए मजबूर महसूस करते हैं। एक अन्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 88% भारतीय कर्मचारियों से कार्यालय समय के बाद संपर्क किया जाता है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे 10 में से 9 भारतीय कर्मचारी जरूरत से ज्यादा काम करते हैं। यह संख्या कोविड-19 महामारी के कारण और भी बढ़ गई थी , जिसने घर से काम करने (डब्ल्यूएफएच) की संस्कृति को सामान्य कर दिया और कार्य-जीवन की सीमाएं भी भंग कर दीं।

हमेशा उपलब्ध रहने की निरंतर मांग भारी कीमत के साथ आती है। इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायर्नमेंटल मेडिसिन के अनुसार, नियमित घंटों से अधिक काम करने के तनाव से चिंता और अवसाद का खतरा बढ़ जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमे कर्मचारी हमेशा उपलब्ध नहीं रहने पर अपने आप को दूसरों से पिछड़ा हुआ पाता है और असमर्थ महसूस करता है। इससे बड़े ही दीर्घकालिक शारीरिक और भावनात्मक विकार होते हैं। भारत का कोई भी व्यक्ति विशेष अपने परिवार पर अपने मजबूत सांस्कृतिक पकड़ के साथ साथ अपने कार्य-जीवन संतुलन को भी आवश्यक मानता है। हालाँकि, कार्यालय समय के बाद काम करने का दबाव सीधे तौर पर इस संतुलन को कमजोर करता है।

टाइम्स जॉब्स के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 55% भारतीय कर्मचारी खराब कार्य-जीवन संतुलन की रिपोर्ट करते हैं, जिनमें से कई ने लंबे समय तक ऑफिस का काम करना इसका प्रमुख कारण बताया है। कुछ से बीमारी की छुट्टी के दौरान भी संपर्क किया जाता है। उत्तर पाने के इरादे से सार्वजनिक छुट्टियों पर संदेश भेजे जाते हैं और अगर कोताही हुई तो उनमें लगातार पदोन्नति छूट जाने का भी डर रहता है। यह असंतुलन रिश्तों में तनाव पैदा कर सकता है, सामाजिक अलगाव को जन्म दे सकता है और काम के बाहर जीवन की गुणवत्ता को कम कर सकता है।

ऐसा देखा गया है कि संगठन यह मानते हैं कि लंबे समय तक काम करने से अधिक आउटपुट मिलता है लेकिन शोध इसके विपरीत संकेत देता है। अधिक काम करने वाले कर्मचारी अक्सर समय के साथ कम उत्पादक हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने लंबे समय तक काम करने को कम उत्पादकता से जोड़ा है, क्योंकि एक निश्चित सीमा के बाद कर्मचारी थकान से पीड़ित होते हैं और ध्यान केंद्रित करने में कमी महसूस करते हैं। इस प्रकार, विस्तारित कार्य समयों से गलतियाँ हो सकती हैं और निर्णयों में देरी हो सकती है, अंततः, समग्र दक्षता कम हो सकती है। कर्मचारी को कार्य-जीवन संतुलन में संकट का सामना करना पड़ता है और यह और भी बदतर होता जा रहा है।

भारत में प्रौद्योगिकी और सेवा के क्षेत्रों में कार्यालयों में नियमित समयों के बाद काम के बढ़ते दबाव के कारण कर्मचारी इस्ती×फे की दरों में इज़ा×फा हुआ है। एओन के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय आईटी क्षेत्र में नौकरी छोड़ने की दर 2021 में 21% तक पहुंच गई थी , कर्मचारियों ने काम के दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की कमी को नौकरी छोड़ने के शीर्ष कारणों के रूप में बताया गया है । प्रतिभाशाली कर्मचारियों द्वारा उन कंपनियों को छोड़ने की अधिक संभावना होती है जो उनके व्यक्तिगत समय का सम्मान नहीं करते हैं, जिससे उनके व्यवसाय के लिए नियुक्ति प्रक्रिया और प्रशिक्षण लागत में वृद्धि होती है।

भारत में इस समस्या में कई कारक योगदान करते हैं। सबसे पहले, कई व्यवसायों की वैश्वीकृत प्रकृति, विशेष रूप से आईटी और सेवा उद्योगों में, कर्मचारियों को विभिन्न समय के क्षेत्रों में सहकर्मियों और ग्राहकों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता होती है। इससे स्थानीय कार्य समयों का कड़ाई से पालन करना कठिन हो जाता है। इसके अतिरिक्त, कई भारतीय कार्यस्थलों में " उपस्थितिवाद " की एक मजबूत संस्कृति है, जहां शारीरिक रूप से उपस्थित और उपलब्ध रहना उत्पादकता और समर्पण के बराबर है, भले ही यह लंबे समय में प्रतिकूल हो।

एक अन्य मुद्दा काम के घंटों को लेकर कानूनी सुरक्षा की कमी है। जबकि कुछ देशों ने काम के समयों के बाद संचार पर सीमाएं तय की हैं (जैसे कि फ्रांस का "डिस्कनेक्ट करने का अधिकार" कानून) जिसमे भारत में स्पष्ट दिशानिर्देशों का अभाव है। इससे अस्पष्टता पैदा होती है, जिससे कंपनियों को चौबीसों घंटे उपलब्धता की उम्मीद रहती है। फ्रांस के "राइट टू डिसकनेक्ट" कानून के समान एक विधायी समाधान है जो नियोक्ताओं को कर्मचारियों को कार्यालय समय के बाहर काम से संबंधित संचार में शामिल होने से रोकता है जो व्यवहार के लिए भारत में एक शक्तिशाली प्रावधान हो सकता है। ऐसी नीति होनी चाहिए जो भारतीय कार्यबल की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने और अनुकूलित करने की आवश्यकता को पूरा करे जिससे वे यह कार्य-जीवन संतुलन को बहाल करने और बर्नआउट को कम करने में मदद कर सकती है। भारतीय संसद में उत्साहजनक रूप से इसी तरह की समान सुरक्षा का प्रस्ताव करने वाला एक विधेयक संसद में 2021 में पेश किया गया जो अभी भी समीक्षाधीन है।

हालाँकि ऑफिस के कार्य समय में लचीलापन महत्वपूर्ण है परन्तु यह स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता है कि कर्मचारियों के कब और किस समय ऑफिस में या कार्यस्थल पर उपलब्ध रहने की उम्मीद है। काम के घंटों और कार्यालय समयों के बाहर के कार्यो की सीमाओं का स्पष्ट संचार कर्मचारियों को कम दबाव महसूस करने में मदद कर सकता है। कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद अपने उपयोगी उपकरण बंद करने के परिणामों से डरना नहीं चाहिए।

संस्थानों द्वारा कार्यस्थल संस्कृति के लिए कर्मचारी-कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। प्रबंधकों को कार्य-जीवन की सीमाओं का सम्मान करके उदाहरण पेश करना चाहिए और जब तक कोई आपातकालीन स्थिति न हो, देर रात के ईमेल या कॉल से बचना चाहिए। ऐसा भी पाया गया है कि कंपनियां जो अपने कर्मचारियों के लिए नियमित तनाव प्रबंधन कार्यशाला उनके मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित करती हैं उनके कर्मचारी कार्यशाला के पश्चात दुबारा स्फुरित या रिचार्ज हो कर कार्य करने को उत्साहित रहते हैं।

कर्मचारियों को अपने कार्य-जीवन की सीमाओं की वकालत करने में सशक्त महसूस करना चाहिए। नियोक्ताओं को सुरक्षित वातावरण बनाने की आवश्यकता है जहां कर्मचारी प्रतिशोध के डर के बिना चिंताओं को व्यक्त कर सकें। संस्थानों के मानव संसाधन विभाग कर्मचारियों की नियमित जाँच और उनके फीडबैक प्रकिया को योजनाबद्ध तरीके से करें जिससे यह सुनिश्चित हो कि कर्मचारी विभागीय समयों के बाद काम की मांगों से अपने आप को अभिभूत महसूस नहीं कर रहे हैं।

भारतीय उपमहाद्वीप में कर्मचारियों के लिए कार्यालय के काम के समयों के बाद दबाव का मुद्दा एक गंभीर चिंता का विषय है। नियमित समयों के अलावा काम करने की अपेक्षा के कारण दो-तिहाई से अधिक कार्यबल बोझ महसूस कर रहा है, यह एक ऐसी समस्या है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। स्पष्ट कार्य समय सीमाएँ स्थापित करके, कार्य स्थल पर संतुलन की संस्कृति को बढ़ावा देकर, और संभवतः कर्मचारियों के व्यक्तिगत समय की सुरक्षा के लिए कानून बनाकर, कर्मचारी और संगठन दोनों स्वस्थ परिवेश में अधिक टिकाऊ कार्य से लाभ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूथ जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक हुई संपन्न

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। 10 अक्टूबर गुरुवार को यूथ कांग्रेस की मासिक बैठक जिला कार्यालय भरतपुर में जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह बन्नो गुर्जर के नेतत्व मे आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी छगनलाल कुलदीप पधारे। यूथ कांग्रेस जिला महासचिव कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठरा द्वारा जिला प्रभारी छगनलाल कुलदीप का 31 मी का साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया भरतपुर के ऊर्जावान जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र गुर्जर का 21 मी का साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष का माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष ने सभी नवीन कार्यकारिणी का स्वागत सम्मान कर दिशा निर्देश दिए एवं 16 अक्टूबर को दिल्ली मैं ज्यादा से ज्यादा पहुंचने का दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम में राकेश कुमार समाजसेवी ,सत्यकी देशवाल, अभिषेक, मनोज गुर्जर झालाटाला, मक्खन झालाटाला, राहुल प्रधान झालाटाला,गौरव यादव, भगत यादव आदि युथ कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगरा मंडल मे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छ आहार दिवस का आयोजन किया गया

चमकता राजस्थान । आगरा संवाददाता। उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छ आहार दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, आगरा फोर्ट आदि रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध खानपान इकाइयों, पेंट्री कार, रिफ्रेशमेंट रूम आदि पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान खाना पकाने वाले बर्तनों की सफाई आदि पर विशेष ध्यान दिया गया क स्टॉल के आस पास स्वच्छता व्याप्त रहे, इसके लिए खान -पान स्टाल संचालकों को जागरूक किया गयाक ×फूड वेंडर आदि की पर्सनल हायजीन भी जाँच की गयी और बेहतरी हेतु निर्देशित किया गया कसभी खाद्य इकाइयों पर तीनों टाइम गीला / सूखा पोछा करने हेतु जागरूक किया गया कइस दौरान ×फूड वेंडर / स्टाल/पेंट्री चार संचालक को वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में भी समझाया गया। उनसे कहा गया कि कूड़े को फेंकने से पहले उसे पृथक कर लें। उन्हें समझाया गया कि गीले कूड़े से खाद बनाई जा सकती है। सूखे कूड़े का निस्तारण भी सही प्रकिया से किया जाना चाहिए।

विद्या संबल की बाड़ी इकाई के साथियों ने क्षेत्रीय विधायक जसवंत सिंह गुर्जर को ज्ञापन सौंपा

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। विद्या संबल की बाड़ी इकाई के द्वारा बाड़ी विधायक जसवंत सिंह गुर्जर को ज्ञापन सोपा, इसके बाद अपनी मानसिक वेदनाओं से अवगत कराया गया जिसमें शैक्षणिक सत्र के बीच 90 कार्य दिवसों के बाद सिर्फ मौखिक आदेश से राजसेस व राजकीय महाविद्यालयों से हटाए जाने एवं प्रति कालांशों के आधार पर दिए जाने वाले मानदेय को समाप्त करते हुए सभी साथियों को मासिक वेतन पर रखे जाने व वार्षिक रूप से अथवा नियमित रूप से किये जाने की अपनी मांग से अवगत कराया।जिस पर विधायक द्वारा आस्वासन देते हुए कहा कि वह अपना पूर्ण प्रयास करेंगे, कि क्षेत्र के विकास के लिए जो भी उचित कदम उठाए जाने हैं। उसके लिए सरकार के सम्मुख सभी मांगों को मनवाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। इस मौके पर डॉ. के. के.उपाध्याय, मनोज गौतम, डॉ. शेरसिंह, डॉ. कबीर शरण, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. बाबर अली, डॉ. नीतेश भारद्वाज, डॉ. प्रदीप भारद्वाज, डॉ. योग्यता शाक्य, डॉ. पुष्पेंद्र चौहान, अभिषेक गौड़ , रोहित डागर, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. नरेंद्र लवानियां, डॉ. राजेश बाबू आदि सहायक आचार्य मौजूद रहे।

राजस्थान सरकार ने अपना इकबाल दस माह में ही खो दिया : सचिन पायलट

चमकता राजस्थान

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अजमेर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा में उम्मीद से विपरीत परिणाम आए है ।

पिछले दस साल से हरियाणा सरकार से नाराज थे लोग,पायलट ने कहा कि हरियाणा में 9 साल बाद मुख्यमंत्री मनोहर लालजी खट्टर को भाजपा के केंद्र नेतृत्व ने हटाया । अगर 9 साल का कार्यकाल हरियाणा सरकार का बहुत अच्छा था तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी को मुख्यमंत्री के पद से हटाने की जरूरत नहीं थी। वहां पर सरकार में असंतोष था, इसलिए मुख्यमंत्री खट्टर को हटाया गया और वहां के लोगों में सरकार को लेकर असंतोष था। कांग्रेस ने एकजुट होकर वहां चुनाव लड़ा, मगर वहां कोंग्रेस के अनुरूप परिणाम नही आए। वहीं कांग्रेसी नेता राहुल गांधी जी ने कहा कि परिणाम को लेकर समीक्षा करेंगे जहां कमी रही वहां पर और कांग्रेसी कार्यकर्ता काम करेंगे। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर श्री सचिन पायलट जी ने कहा कि जीतने अनुमान, उम्मीद, सारे सर्वे, और फीडबैक जिस दिशा में थे वैसे परिणाम नही आए। हरियाणा सहित पूरे देश में सभी जानते थे कि कांग्रेस वहां अच्छे बहुमत से सरकार बनाने वाली है। विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर शुरुआत में रुझान कांग्रेस के पक्ष में थे। और कुछ घंटे बाद रुझान अलग तरीके के थे । वहीं परिणाम में भाजपा को बढ़त मिली है। इस सिलसिले में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीयो ने निर्वाचन आयोग में मतदान प्रक्रिया शिकायत हेतु ज्ञापन दिए हैं। कांग्रेसियों की शिकायत पर निर्वाचन विभाग निष्पक्ष जांच करेगा। जम्मू कश्मीर में जो गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला है वहां पर भी अड़चनें लगाई गई लेकिन लोगो समझदारी करी और सरकार बनाई।राजस्थान को लेकर कहां की ऐसा पहली बार देखा है कि किसी सरकार ने अपना इकबाल इतनी जल्दी 10-माह में खो दिया सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है यहां पर खाद बीज पानी बिजली सड़क व शिक्षा जैसे मुद्दे पर बात करनी चाहिए इन लाडू जलेबी में कुछ नहीं रखा यह सब मीडिया में ध्यान आकर्षित करने के लिए है । नेता आते जाते है लेकिन जनता परमानेंट होती है जिले का निर्णय सरकार को करना है । जो भी निर्णय सरकार ले जनता के हित में लेना चाहिए। पिछली सरकार ने जो भी काम किए उसको बेहतर नही कर सकते तो उसे बंद नही करना चाहिए। सरकार को अपना हित साधने के बजाय जनता के काम करने चाहिएं। आगे कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड में सीट शेयरिंग फाइनल हो चुका है । भाजपा वन नेशन वन इलेक्शन की बात करती है लेकिन चार राज्यों में चुनाव एक साथ चुनाव , चुनाव आयोग करा सके ऐसा माहौल नही बना पा रहे। यह तो कहते कुछ और करते कुछ और है लोगो को का ध्यान भटकाने के लिए करते है। श्री पायलट ने राजस्थान उपचुनाव पर कहा की कांग्रेस पहले से तैयारी कर चुकी है और एकजुट होकर चुनाव लड़ेगे सभी सीटों पर कांग्रेस अपनी जीत दर्ज करेगी जब कांग्रेस जनता में जायेगी तो जनता उसे वोट देगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव परिणाम का राजस्थान में कोई असर नही होगा अलग प्रदेश है यहां के मुद्दे अलग है।

मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह 2024 को लेकर मीटिंग हुई आयोजित

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। दिनांक 22 सितंबर 2024 रविवार को मोती होटल, बिजली घर, भरतपुर में बौद्ध जागृति मंच सेवा संस्था भरतपुर की एक महत्वपूर्ण मीटिंग आहूत की गई जिसमें संस्था के ज्यादातर सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए .....

1- प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में अनुसूचित जाति के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान,सन-2024 में नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान कालेज शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों व राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियोंऔर ब्लॉक कार्यकारिणी के अध्यक्षों का सम्मान, शिक्षा अधिकारियों, प्रिंसिपल्स का सम्मान तथा नव निर्वाचित समाज के सांसदों व विधायकों के सम्मान समारोह के लिए दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को चुना गया है !

2- सन 2024 में उत्तीर्ण किए गए विद्यार्थियों हेतु
कक्षा 10 के लिए 80%,
कक्षा 12 के लिए 75%, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के लिए 70% तक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संस्था के द्वा-रा सम्मानित किया जाएगा एवं छात्राओं के लिए 5% की छूट रहेगी।उपरोक्त छात्र/छात्राओं को अपनी सन- 2024 में उत्तीर्ण अंक तालिका दिनांक 21/10/2024तक मंच के सदस्यों को जमा करवानी हैं। इसके बाद कोई भी अंक तालिका जमा नहीं की जावेगी।
अंक तालिका बौद्ध जागृति मंच के इन सदस्यों के पास जमा करवा सकते हैं-1 श्री रामकुमार वर्मा, शिक्षा सचिव-8619497488
2 श्री रमेश चंद वर्मा, अध्यक्ष, विकास अधिकारी, एल आई सी भरतपुर
3 श्री सतीश स्टोन, नमक कटरा भरतपुर 9887785565
4 श्री तेज सिंह, कोषाध्यक्ष 7062630530
5 श्रीमती सुनीता सिंह, प्राचार्य, स्वर्ण जयंती नगर, भरतपुर 7791844810,941458532,
6, श्री मुकेश पार्षद, मोती होटल सुपर मार्केट भरतपुर 9413592313,
7 श्री अभिषेक सिंह, एम एस जे कालेज, भरतपुर 9414694202,
8 श्री साधु राम वर्मा, व्याख्याता, राउमावि रुदावल निवास बयाना 8209561387,
9 डॉ.सुंदर सिंह प्रोफेसर, एम एस जे कालेज, भरतपुर 9414715270
10 श्री राजेन्द्र भंडारी, डीग 9460115269
11श्री रामेश्वर प्रसाद, बिडयारी 9772739611,
12 श्री बलराम मादोरिया, मल्टी परपज स्कूल, भरतपुर। 8890748274,

कट्स संस्था उसके द्वारा प्रयोजित "गड्ढे ढूंढो इनाम पाओ" प्रतियोगिता के बाद शहर भर में गड्ढों की समस्या को दूर करने में त्वरित कार्रवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर(संवाददाता खलील कुरेशी) । कटस संस्था जयपुर के द्वारा गड़डे ढूंढो इनाम पाओ प्रतियोगिता बाद शहर भर में तंत्र कार्यवाही के लिए महापौर सौम्या गुर्जर और जयपुर नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, प्रसन्नता व्यक्त करता है। नागरिकों को सड़क क्षति की पहचान करने में शामिल करने के उद्देशय से यह पहल बदलाव के लिए उत्प्रेरक साबित हुई है, क्योंकि महापौर और नगर निगम के अधिकारियों ने जनता द्वारा उजागर की गई, शहर की सड़क की तत्काल और प्रभावी मरम्मत के निर्णय के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है। गुलाबी नगर जयपुर की सड़कें इतनी खराब स्थिति में हैं! कि शहर भर में फैले कई गड्ढों के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है, इस स्थिति में जयपुर स्थित उपभोक्ता संस्था कट्स, जो कई वर्षों से उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए काम कर रहा है और 'स्वच्छऔर सुरक्षित शहर के मुद्दे पर सक्रिय रूप से शामिल है 'गड्ढे ढूंढो पुरस्क-ार जीतो नामक एक अनूठी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस अभियान के तहत आम लोगों से सड़कों पर गड्ढों की तस्वीरों के साथ-साथ पूरी जानकारी के साथ प्रविष्टियां मांगी जाती हैं।
यह प्रतियोगिता नागरिकों और शहर के अधिकारियों के बीच सहयोग है, जो जयपुर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम को दर्शाता है। हम इस मामले को गंभीरता से लेने और प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत करने में नगर निगम की तत्परता की सराहना करते हैं। हालांकि कट्स संस्था यह भी अनुरोध करता है। कि भविष्य में मरम्मत पक्के (स्थायी समाधानों के साथ की जाए। इससे मरम्मत की दीर्घायु सुनिश्चित होगी और विशेष रूप से मानसून के मौसम में बार-बार होने वाली समस्याओं से बचा जा सकेगा। इसके अतिरिक्त नगर निगम से अनुरोध है! कि किए गए काम की गुणवत्ता के लिए ठेकेदारों को जवाबदेह बनाए। ठेकेदारों के लिए स्पष्ट दायित्व स्थापित करने से उच्च मानकों को बनाए रखने में मदद मिलेगी, और यह सुनिश्चित होगा कि सार्वजनिक धन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

बाड़ी केला देवी मंदिर में सप्तमी के दिन गौड़ ब्राह्मण नवयुग मंडल ने सभाला मोर्चा

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में शहर के प्राचीन मंदिर राजराजेश्वरी कैला माता मंदिर में नवरात्रि के शुभ अवसर पर मंदिर व्यवस्था को संभालने सप्तमी की जिम्मेदारी को खूबी से निभाया, जैसे बुजुर्ग महिला /पुरुषों को दर्शन करने की प्राथमिकता दी, और असमाजिक तत्वों द्वारा असामाजिक कार्यों वह दुर्व्यवहार पर रोक लगाने के लिए प्रवृत्ति के लोगों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें गौड़ ब्राह्मण नवयुवक मंडल बाड़ी के नवयुवकों का बढ़- चढ़कर सहयोग रहा,और मंदिर की व्यवस्थाओं में संभालने में अपने दायित्व का निर्वाहन किया!

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर रेखा यादव एडीजे द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लिनिक के संबंध में नालसा द्वारा जारी एस.ओ.पी. में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये।निर्धन बंदियों के लिए आर्थिक सहायता बाबत अभियान, अपराध के समय से नाबालिग बंदियो को चिन्हित कर आवशयक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। तथा निःशुल्क विधिक सहायता के प्राप्त प्रार्थना पत्रों के संबंध में जानकारी ली। बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, आवास, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं व रसोईघर, बैरक इत्यादि का जायजा लिया तथा उन्होंने कारागृह के निरूद्ध नये बंदियों सहित एक-एक बंदीगण से वार्ता कर उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु अधिवक्ता के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल अमित कम्थान, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसल मीता अग्रवाल, प्राधिकरण के लिपिक सुरेन्द्र सिंह, कार्यवाहक जेल अधीक्षक पूरन चंद शर्मा, सहित कारागृह का स्टॉफ एवं बंदीजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री 11 एवं 12 को रहेंगे भरतपुर दौरे पर: जनसुनवाई कर जिले के विकास कार्यों का करेंगे निरीक्षण

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो दिवसीय दौरे पर 11 अक्टूबर शुक्रवार को भरतपुर आएंगे जहां विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेगें तथा अधिकारियों की बैठक लेकर जनसुनवाई भी करेंगे।
जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री 11 अक्टूबर को प्रातः 11.30 बजे जयपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.10 बजे झील का बाड़ा पहुंचकर कैला देवी मंदिर के दर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री दोपहर 1.10 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा झील का बाड़ा से प्रस्थान कर दोपहर 1:20 बजे एमएसजे कॉलेज स्थित हैलीपेड पर पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 1.30 सर्किट हाउस, दोपहर 2 बजे आरबीएम अस्पताल पहुंचकर नवीन आरबीएम अस्पताल भवन निर्माण एवं विभिन्न कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात लोहागढ़ किला स्थित किशोरी महल के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण, नई मण्डी कुम्हेर गेट से हीरादास प्रस्तावित फ्लाईओवर एवं विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण, काली की बगीची से शास्त्री पार्क प्रस्तावित फ्लाईओवर एवं विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण, एक्वेरियम व बायोलोजिकल पार्क, केवलादेव एवं शास्त्री पार्क के विकास कार्य तथा नवीन बस स्टैण्ड के विकास कार्यों का निरीक्षण के साथ ही अन्य विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि सांय 5 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में भाग लेकर सांय 7 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे।
जिला कलक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा 12 अक्टूबर शनिवार को प्रातः 10 बजे से स्थानीय सर्किट हाउस में आमजन की सुनवाई करेंगे। इसके पश्चात वे प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे तथा दोहपर 1.15 बजे एमएसजे कॉलेज स्थित हैलीपेड से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गीत चांदनी 2024 एवं डॉ ताराप्रकाश जोशी स्मृति सम्मान समारोह 16 अक्टूबर को

चमकता राजस्थान/जयपुर 10 अक्टूबर । प्रोग्रेसिव राइटर क्लब एसोसिएशन की ओर से शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर बुधवार को होटल रीगल डीसीएम अजमेर रोड पर 51 वी गीत चांदनी एवं डॉ ताराप्रकाश जोशी स्मृति सम्मान समारोह 2024 आयोजित किया जा रहा है । कार्यक्रम संयोजक शायर और साहित्यकार लोकेश कुमार सिंह साहिल ने बताया कि गीत चांदनी 2024 कार्यक्रम में गाजियाबाद से बृजेश भट्ट, लखीमपुर खीरी से ज्ञान प्रकाश आकुल, चूरू से बनवारी लाल खामोश, गढ़मुक्तेश्वर से निकुंज शर्मा, औरैया से इति शिवहरे, नागौर से धनराज दाधीच, दौसा से सपना सोनी और चित्तौड़गढ़ से रमेश शर्मा विशुद्ध साहित्यिक गीत और कविता पाठ करेंगे । उन्होंने बताया कि लखीमपुर खीरी के ज्ञान प्रकाश आकुल को डॉ ताराप्रकाश जोशी स्मृति सम्मान प्रदान किया जाएगा ।

सीकर जिले में थाना खंडेला पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- **होटल संचालक पर फायरिंग कर एमडी ग्रुप 6565 व आजाद ग्रुप के नाम से 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में दो गिरफ्तार**
- **घटना में प्रयुक्त बोलेरो जब्त, आरोपियों से पूछताछ जारी**

चमकता राजस्थान। जयपुर/सीकर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। सीकर जिले के खंडेला थाना इलाके में कावट रोड पर स्थित श्रीशयाम होटल में फायरिंग कर एमडी ग्रुप 6565 व आजाद ग्रुप के नाम पर होटल संचालक को जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों लोकेश कुमार मीणा उर्फ लौकी पुत्र बजरंग लाल (24) एवं रौकी सिंह उर्फ रौकी पुत्र सुभाष सिंह उर्फ भल्ले (19) निवासी टीबा बसई थाना में मेहाडा जिला नीमकाथाना को गिरफ्तार का घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद की है।एसपी भूवन भूषण यादव ने बताया कि कांवट बाइपास स्थित श्री शयाम होटल पर रात करीब 8.30 बजे तीन युवक मुंह पर कपड़ा बांध पहुंचे। दो जने अंदर आये, एक युवक दरवाजे पर खड़ा हो गया। दोनों बदमाशों ने होटल मालिक राकेश कुमार सामोता निवासी खण्डेला से नमकीन ली। पैसे मांगने पर उन्होंने ऑनलाइन पैसे देने की बात कही। दोनों बदमाश पैसा दिए बगैर जाने लगे तो होटल संचालक ने उन्हें टोका।पैसे मांगते ही दरवाजे पर जाकर बदमाशों ने दो फायर कर दिए और फरार हो गये। इससे पहले बाहर जाते समय बदमाश काउंटर पर एक पर्ची छोड़ गये थे। जिसमें एमजी ग्रुप 6565 व आजाद ग्रुप का हवाला देते हुए 50 लाख रंगदारी की मांग की गई। पर्ची में संदीप सोलेत उर्फ सुखा प्रीतमपुरी, अमित उर्फ लक्की बहरोड, मनोज उर्फ पांडु प्रागपुरा लिख, फिरौती नही देने पर घर जलाने की धमकी दी गई। पर्ची में फिरौती की मांग कोटपूतली जेल से किया जाना लिख आगे जान से मारने एवं अन्य वारदात करने की धमकी दी गई थी। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी रेंज सत्येंद्र कुमार व एसपी भुवन भूषण यादव के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा व सीओ खंडेला इंसार अली के सुपरविजन में एसएचओ खंडेला रमेश कुमार व डीएसटी प्रभारी सोहन सिंह के नेतृत्व में गठित की गई 12 सदस्यों की विशेष टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए फायरिंग व फिरौती की मांग के आरोपियों की संभावित स्थानों पर तलाश की गई। आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस ने आरोपी लोकेश कुमार मीणा उर्फ लौकी एवं रौकी सिंह उर्फ रौकी को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

सीकर जिले में थाना खण्डेला पुलिस की करवाई

- **अपहत नाबालिग व आरोपी को चेन्नई से किया दस्तयाब, आरोपी ने सोशल मीडिया से बना ली थी दूरी**
- **22 महीनों से थी पुलिस को तलाश, 25 हजार रुपये का घोषित था इनाम**

चमकता राजस्थान। जयपुर/सीकर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। सीकर जिले के खंडेला थाना क्षेत्र से 22 महीने पहले अगवा की गई एक नाबालिग और आरोपी को थाना पुलिस की टीम ने चेन्नई (तमिलनाडु) से दस्तयाब कर लिया है। आरोपी रविंद्र सिंह पुत्र पेप सिंह थाना क्षेत्र के जुगलपुरा गांव का रहने वाला हैएसपी भवन भूषण यादव ने बताया कि 26 दिसंबर 2022 को नाबालिग लड़की के परिजनों ने आरोपी रविंद्र सिंह पर बेटी को अगवा करने का मुकदमा दर्ज कराया था। पूर्व में अनुसंधान अधिकारियों द्वारा राजस्थान एवं हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में उनकी तलाश की। लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद भी दोनों पुलिस के हाथ नहीं आए। इस पर परिजनों द्वारा डीबी हैबियस कॉर्पस याचिका दायर की गई।मामले में अपहर्ता व आरोपी की तलाश के लिए एसपी सीकर द्वारा 25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा करने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका। उनकी तलाश करना पुलिस के लिए चुनौती बन गई थी। वर्तमान में मामले की जांच एसएचओ मांगीलाल द्वारा की जा रही है।एसएचओ मांगीलाल के नेतृत्व में इन दोनों की तलाश के लिए थाना स्तर पर कांस्टेबल कन्हैयालाल व चंद्रभान, एसपी ऑफिस से हैड कांस्टेबल रेखा व जयपुर से साइबर विशेषज्ञ दीपक कुमार योगी की एक विशेष टीम गठित की गई। विशेष नवीनतम तकनीकी जानकारी व आसूचना संकलन के आधार पर गठित टीम द्वारा आरोपी रविंद्र सिंह एवं अपहृत नाबालिग को कठिन परिश्रम से चेन्नई से दस्तयाब किया गया। कांस्टेबल कन्हैयालाल व साइबर विशेषज्ञ दीपक कुमार योगी की विशेष भूमिका रही।

राजावास में गेल इंडिया की एलपीजी पाइपलाइन में लीकेज को किया दुरुस्त

जयपुर में केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग द्वारा गुरुवार को जयपुर के राजावास ग्राम में केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आर्मी, गेल इंडिया लिमिटेड, होम गार्ड, सीआईएसएफ, जिला प्रशासन, नागरिक सुरक्षा, एनसीसी, स्काउट गाइड, रैपिड एक्शन फोर्स, एनजीओ, स्थानीय नागरिक आदि इस मॉक एक्सरसाइज का हिस्सा बने एक्सरसाइज की शुरुआत गेल इंडिया के राजावास ग्राम में जामनगर लोनी एलपीजी पाइपलाइन में लीकेज की सूचना से हुई। लीकेज से हुए गैस रिसाव की जानकारी स्थानीय नागरिकों से मिलते ही स्थानीय प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ और गेल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों को लीकेज की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सबसे पहला नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने मोर्चा संभाला और राहत कार्य प्रारंभ किया। उसके बाद संबंधित टीमों द्वारा मौके पर पहुंच रेड जोन, येलो जोन और ग्रीन जोन बनाकर लीकेज को दुरुस्त करने की कार्यवाही की गई, साथ ही लीकेज गैस से प्रभावित नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

इस दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सीनियर कंसलटेंट ब्रिगेडियर रवीन्द्र गुरंग (रि.) ने कहा कि बढ़ते औद्योगिकीकरण के साथ हमें विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी तंत्रों के मध्य समन्वय स्थापित करना है। सामान्यतः केमिकल डिजास्टर जैसी घटनाएं मानवीय त्रुटि के कारण हो जाती है इसलिए सभी उद्योगों को भी अंतः आपदा प्रबंधन योजना एवं टीम बनानी चाहिए।उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश गैस, पेट्रोलियम, केमिकल, खनिज आदि सम्पदा से परिपूर्ण है लेकिन यहाँ जलवायु, हीटवेव, बाढ़, वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदाओ के कारण केमिकल डिजास्टर का खतरा बना रहता है। इसलिए इन आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, ड्रोन जैसी तकनीकों को विकसित करने के साथ विद्यालयों, अस्पतालों में भी जागरूकता पर कार्य करने की आवश्यकता है।जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने सभी केंद्रीय और राज्य एजेंसियों को मॉक ड्रिल की सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के अभ्यास समय समय पर किए जाने चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी एजेंसियों के साथ समन्वय बनाने को भी कहा। नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक अमित शर्मा ने बताया कि इस पूरी मॉक ड्रिल के दौरान इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम का इस्तेमाल किया गयाउल्लेखनीय है कि जयपुर में गेल इंडिया लिमिटेड राजावास के साथ बाड़मेर में वेदांता लिमिटेड, अलवर में ला-ॅर्डस क्लोरो अल्कली लिमिटेड (मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया) और जोधपुर में उमा पोलिमर्स में यह मॉक एक्सरसाइज आयोजित की गई है।मॉक ड्रिल के दौरान जिला परिषद सीईओ सुश्री प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (दक्षिण) देवेंद्र कुमार जैन, सहित जिला प्रशासन और संबंधित केंद्र व प्रदेश एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर डा. सौम्या गुर्जर ने किया स्वयं सिद्धा हस्त शिल्प प्रदर्शनी 2024 का उद्घाटन

- **जयपुर में पहली बार'स्वयं सिद्धा' प्रदर्शनी के जरिये कबाड़ से जुगाड़ का किया जायेगा अद्भूत प्रदर्शन**
- **लघु उद्योग भारती सांगानेर महिला इकाई का अनूठा प्रयास,**
- **प्रदर्शनी की अद्वितीय और अनूठी थीम रहेगी**

- **ठंहतन चतपदज और ठसनम च्वजजमतल पेंटिंग का अनुभव,प्रदर्शनी का उद्देश्य**

प्रदर्शनी में न केवल छोटे व्यवसायों के उत्पादों का प्रदर्शन होगा, बल्कि यह एक ऐसा मंच भी प्रदान करेगी जहां महिलाएं अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगी। यह आयोजन स्थानीय महिलाओं और नए उद्यमियों के लिए एक प्रेरणादायक मंच होगा, जहॉ वे नए विचारों और अनूठी तकनीकों के साथ अपने व्यापार को ऊॅचाइयों पर ले जाने का अनुभव प्राप्त करेंगें।प्रदर्शनी में जहॉ छोटे व्यवसायों को नई ऊॅचाइयॉ प्राप्त करने का मौका मिलेगा, साथ ही पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में भी यह एक सराहनीय कदम साबित होगा।

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। नगर निगम ग्रेटर महापौर डा. सौम्या गुर्जर ने गुरूवार को लघु उद्योग भारती सांगानेर महिला इकाई द्वारा आयोजित स्वयं सिद्धा हस्त शिल्प प्रदर्शनी 2024 का उद्घाटन किया। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा भी इस प्रदर्शनी में स्टॉल लगायी गयी, जिसमें महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने पुराने कपडे, पुराने जूते आर.आर. आर. सेंटर पर जमा करवाये। तीन दिवसीय प्रदर्शनी के माध्यम से जयपुर में पहली बार इको फैन्डली स्वयं सिद्धा प्रदर्शनी का आयोजित की जा रही है। यह आयोजन 10 से 12 अक्टूबर तक मानसरोवर सामुदायिक केन्द्र, सिटी पार्क के सामने मुख्य सड़क पर आयोजित की जायेगी जो पर्यावरण-संरक्षण और पुनःउपयोग पर जोर देती है। उद्घाटन सत्र में मंच पर सजा बैंकड्रॉप भी बम्बू से बना हुआ था एवं चारों तरफ की सजावट त्त त्मकनबमए त्मबलबसमए त्मबतमंजम पर आधारित थी। पुराने ट्रक, कार, साईकिल, आदि को सोफे मेज के रूप तथा टायर को फ्लावर पॉट के रूप में प्रदर्शित करना मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। महापौर ने इस अवसर पर कहां की प्रदर्शनी के माध्यम से अलौकिक थीम पर पूरे आयोजन स्थल को सजाया गया है। महापौर ने लघु उद्योग भारती सांगानेर महिला इकाई द्वारा आयोजित स्वयं सिद्धा हस्त शिल्प प्रदर्शनी की प्रशंसा की। पिंकी माहेश्वरी ने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से कबाड़ से जुगाड़ का अद्भूत प्रदर्शन किया जायेगा। जिसमें कई छोटे व्यवसायी खासकर महिला उघमी अपने व्यापार को अनोखे और रचनात्मक तरीकों से प्रदर्शित करेगी। इस प्रदर्शनी की खास बात यह है कि प्रदशनी के तीन दिनों के दौरान उत्पन्न कचरे का पृथक्करण कर रिसाइकिल किया जायेगा। इसके साथ ही फ्लेक्स का उपयोग ना कर रिसाइकिल सामग्री से बैकड्राप और स्टेज सजावट की जायेगी। इस प्रदर्शनी का सफल आयोजन लघु उद्योग भारती सांगानेर महिला इकाई की सचिव पिंकी माहेश्वरी, अध्यक्ष निधि मंडावरा और प्रदेश की महामंत्री सुनीता शर्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। पिंकी माहेश्वरी ने बताया की थीम के तहत रिसाइकिल और पुनः उपयोग पर विशेष जोर देते हुए इस आयोजन को अनूठा बनाया है। प्रदर्शनी में कबाड़ से जुगाड़ जैसे रचनात्मक और टिकाऊ समाधानों के माध्यम से नया आयाम देने का प्रयास किया गया है।

भागीरथ चौधरी की अनुशंसा पर वर्षों पुरानी मांग पूरी, 2.50 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण के कार्यादेश

- **(कांकनियावास से अजमेर- सिरोहीकला, गोली से अजमेर जिला सीमा, ईंटाखोई - बान्दरसिन्दरी से रहलाना जिला सीमा तक) होगा सड़कों का डामरीकरण,**
- **तिलोनिया से तोलामाल तक बनेगी नई सडक**

चमकता राजस्थान। जयपुर/अज़मेर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर 2024। राज्य की भाजपा की सरकार ने संसदीय क्षेत्र अजमेर के

किशनगढ विधानसभा क्षेत्र में नई सड़कों की स्वीकृति को लेकर कार्य प्रारंभ कर दिया है। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने तीन मुख्य सड़कें, जो जिला सीमा को जोडेगी, इसके साथ ही तिलोनिया तोलामाल रोड़ की स्वीकृति को लेकर अनुशंषा की थी। इसके परिणामस्वरूप राज्य सरकार की ओर से उक्त सड़कों की स्वीकृति के बाद इनके कार्यादेश जारी हो गए तथा जल्द ही किशनगढ विधानसभा क्षेत्र की इन सड़कों का निर्माण एवं डामरीकरण का कार्य होगा।

सड़क निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग : कांकनियावास से जिला सीमा अजमेर - सिरोहीकला, गोली अजमेर जिला सीमा से ईंटाखोई, और बान्दरसिन्दरी से रहलाना जयपुर जिला सीमा को को जोडने को लेकर वर्षों से स्थानीय लोग मांग कर रहे थे। साथ ही किशनगढ और दूदू विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों ने जनसुनवाई में केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी से आग्रह कर बताया कि इस जिला सड़के के बनने से उन्हे कई किलोमीटर की लम्बी दूरी तय करने से राहत मिलेगी। पिछले कई सालों से उनकी मांग को पूरा किया जाए।

सड़क निर्माण को लेकर राज्य सरकार ने जारी किए कार्यादेश : केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने उक्त तीनों जिला सीमा सड़कों की स्वीकृति करवाकर क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान की है, अब 2.5 करोड की लागत से इन सडकों का निर्माण कार्य हो सकेगा इस हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से इनके कार्यादेश भी जारी किए जा चुके है। साथ ही 2.5 करोड की लागत से 6 किमी तिलोनिया तोलामाल सड़क भी ग्रामीणों की मांग पर स्वीकृत करा कर कार्यादेश जारी हो गए है। उक्त सड़कों के बनने से क्षेत्र में दर्जनों गांवों सहित हजारों की संख्या स्थानीय आमजन लाभान्वित होंगे।

68 प्रतिभागियों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा का किया प्रदर्शन

विधिक सेवा दिवस, 2024 के अवसर पर विशेष रूप से सक्षम बच्चों के मध्य विधिक जागृति के लिए संभाग स्तरीय खेलकूद गतिविधियों का आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), जयपुर महानगर द्वितीय के निर्देशन में विधिक सेवा दिवस, 2024 के अवसर पर गुरुवार को विशेष योग्यजन में विधिक जागृति के लिए सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिओम शर्मा 'अत्रि', सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को विधिक सेवा के विभिन्न आयामों से अवगत करवाने के साथ ही इन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है। अत्रि ने कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागियों के अभिभावकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सबको मिलकर इन बच्चों को प्रोत्साहित करना होगा। हमारे संगठित प्रयासों से इनमें से कई एकलव्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकेंगे।कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के अध्यक्ष नीरज.के.पवन ने कहा कि इन दिव्यांगजनों का खेलों के प्रति उत्साह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को खेल सम्बन्धी बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में हर संभव प्रयास किये जाएँगे ताकि भविष्य में होने वाले पैराओलंपिक में प्रदेश और नए कीर्तिमान स्थापित करें।कार्यक्रम में खेलकूद गतिविधियों के अंतर्गत समूह प्रतियोगिता में कबड्डी एवं बोसी बॉल एवं एकल प्रतियोगिता में लंबी कूद, शॉटपुट, बेडमिन्टन, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस एवं पेंटिंग का आयोजन किया गया। कार्यकम का क्रियान्वयन संभाग स्तर पर राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, नया सवेरा एवं टाबर स्वयं सेवी संस्थान आदि के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों के मध्य संभाग स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुल 68 प्रतिभागियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया।इस अवसर पर हेमंत बघेला, संयुक्त सचिव,रालसा, पुरूषोत्तम सैनी, विशेष सचिव, रालसा, राजेन्द्र बंशीवाल, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर प्रथम, पल्लवी शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय, शिक्षा विभाग की सहायक निदेशक बबीता राजावत, विभिन्न खेलों के पी. टी.आई एवं कोच, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण सहित विद्यालय स्टाफ व प्रतिभागियों के अभिभावकगण उपस्थित रहे।

बिजली कनेक्शन के लंबित आवेदनों पर समीक्षा नए कनेक्शनों के बैकलॉग को 30 अक्टूबर तक समाप्त करें: आरती डोगरा डिस्कॉम्स चेयरमैन

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने फील्ड के अभियन्ताओं को निर्देश दिए हैं कि वे नए कनेक्शनों की पेंडेंसी खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास सुनिश्चित करें। लम्बित आवेदनों के बैकलॉग को 30 अक्टूबर तक आवश्यक रूप से समाप्त करें। सुश्री डोगरा गुरूवार को विद्युत भवन में बिजली कनेक्शनों के लंबित आवेदनों को लेकर जयपुर डिस्कॉम के अभियंताओं के साथ समीक्षा कर रही थीं। सुश्री डोगरा ने इस दौरान प्रत्येक सर्किल से सर्वाधिक लंबित कनेक्शन वाले दो सब डिवीजन कार्यालयों में घरेलू, अघरेलू, औद्योगिक तथा वाणिज्यिक श्रेणी के लंबित बिजली कनेक्शनों की विस्तार से समीक्षा की और

आवेदकों को जल्द राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता कनेक्शनों के निस्तारण की प्रगति के लिए अपने अधीनस्थ कार्मिकों के ही भरोसे न रहें। एनसीएमएस सॉफ्टवेयर को खुद देखें और यह सुनिश्चित करें कि सभी श्रेणी के कनेक्शन सुगमता से जारी हों।डिस्कॉम्स चेयरमैन ने कहा कि यदि किसी प्रकरण में आवेदक के स्तर पर दस्तावेज की पूर्ति में कमी है तो उसे उचित माध्यम से सूचित करें ताकि आवेदक के द्वारा कमी को समय रहते दूर किया जा सके। डिस्कॉम चेयरमैन ने कई उपखंडों में बीते कुछ समय में इस दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना भी की।

बैठक में जयपुर डिस्कॉम के तकनीकी निदेशक एस.एस. नेहरा, मुख्य अभियन्ता मैटेरियल मैनेजमेंट आर के मीणा, मुख्य लेखा नियंत्रक एके जोशी, जयपुर जोन के मुख्य अभियंता आर के जीनवाल सहित अन्य वरिष्ठ अभियंता मौजूद थे। भरतपुर एवं कोटा जोनल मुख्य अभियन्ता, संबंधित अधीक्षण अभियन्ता, अधिशाषी अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

एनसीएमएस सॉफ्टवेयर से होगी रियल टाइम मॉनीटरिंग

निगम में नए कनेक्शन, नाम बदलने तथा स्वीकृत भार में परिवर्तन से संबंधित आमजन से जुड़े कार्यों की रियल टाइम मॉनीटरिंग न्यू कनेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (एनसीएमएस) सॉफ्टवेयर से की जाएगी। इस सॉफ्टवेयर के जरिए यह ट्रैक कर पाना संभव होगा कि सब डिवीजन कार्यालयों में आवेदक की फाइल का निस्तारण कितने समय से और किस कार्मिक के स्तर पर लंबित है।डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा के दिशा-निर्देशों के क्रम में इस संबंध में फील्ड अभियंताओं को निर्देश जारी किये गए हैं। इसके अनुसार प्रत्येक वृत्त में अधिशाषी अभियन्ता ओ एण्ड एम अपने खण्ड के उपखण्ड कार्यालयों में कनेक्शनों से संबंधित फाइलों के निस्तारण की नियमित मॉनिटिरिंग करेंगे। अधिशाषी अभियन्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि कनेक्शन जारी करने में किसी प्रकार की देरी न हो। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने निर्देश दिए हैं कि नये कनेक्शन की पत्रावलियों को सहायक अभियन्ता के अनुमोदन, कनिष्ठ अभियन्ता के सत्यापन, कंज्यूमर लिपिक के स्तर पर कार्यवाही अथवा जॉब ऑर्डर की पूर्णता के कारण अटकाया नहीं जाए। आवेदक के स्तर पर दस्तावेज में कोई कमी है तो उसकी पूर्ति के लिए आवेदक को नोटिस, एसएमएस, ईमेल अथवा दूरभाष के माध्यम से आवश्यक रूप से सूचित किया जाए।डिस्कॉम्स चेयरमैन ने यह भी निर्देश दिए हैं कि मैटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधीक्षण अभियन्ता मैटेरियल मैनेजमेंट विंग के साथ समन्वय बनाए रखेंगे। जोनल मुख्य अभियन्ता अपने जोन में कनेक्शनों के जारी होने के प्रकरणों की नियमित मॉनिटिरिंग करेंगे।

कार्मिकों को देंगे प्रशिक्षण

निगम अपने फील्ड के कार्मिकों को एनसीएमएस सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण देगा। प्रशिक्षण कार्य को गति देने के लिए भरतपुर जोन के मुख्य अभियंता उमेश गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सुरक्षा एवं गुणवत्ता नियंत्रण) एके त्यागी, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्यिक) नवीन जैन तथा अधिशाषी अभियंता (आईटी) अशोक वर्मा की चार सदस्यीय समिति गठित की गई है।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह भाजपा नेता आलोक बेनीवाल ने किया जनहित के कार्यों का लोकार्पण

सरकारी योजनाओं में चयनित लाभार्थियों को किया गया लाभान्वित

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) ग्राम पंचायत खोरी में विभिन्न विकास कार्यों का जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह एवं पूर्व विधायक भाजपा नेता आलोक बेनीवाल के मुख्य आतिथ्य में विभिन्न जनकल्याणकारी और जनोपयोगी कार्यों का लोकार्पण कर जनता जनार्दन को समर्पित किये कार्यक्रम में सरकार की मंगलकारी योजनाओं से अनेक लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने संबोधन से कार्यक्रम को संबोधित किया इस मौके पर पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं आमजन के हितों में कार्य करते हुये शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु संकल्पबद्ध हूं इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, भाजपा नेता आलोक बेनीवाल, भाजपा नेत्री मंजू सैनी, सरपंच गण, जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य, भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव के निर्देश के बाद विभाग में मची खलबली

चमकता राजस्थान

सावधान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री वह सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर रही है ताज़ा मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने वृत्त शहर सिटी डिवीज़नो जयपुर के बकाया पुराने बिल व समय अवधी प्रकरण के बारे में जानकारी माँगी है।

प्रमुख सचिव सचिव के इस आदेश से विभाग के अभियंताओं में खलबली मची हुई है वे तुरत फुरत आदेश की पालना में लग गए हैं लेकिन मिली जानकारी के अनुसार सबसे ज़्यादा मामले सिटी डिवीज़न सेकंड के माने जा रहे है जहां सिटी डिवीज़न में अभियन्ता ऊपर भेजने वाले समय अवधी प्रकरणों के केसो की काटा छाटी में लग रहे हैं ! जिसकी जानकारी अगली सीरिज़ में प्रकाशित की जावेगी।

मनोहरपुर पुलिस थाने ने प्रभावी कार्रवाई कर 4 लाख रूपये की अवैध शराब पकड़ी, 1 आरोपी गिरफ्तार

- **अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त पिकअप को भी किया जप्त**

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर। (खलील कुरैशी)। थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए करीब चार लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी व देशी शराब जब्त की है। पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन पिकअप को भी जब्त किया हैं। पुलिस ने बताया कि 9 अक्टुम्बर को मुखबीर से सूचना मिली कि एक पिकअप में चालक अवैध शराब भरकर त्रिवेणी धाम शाहपुरा से बिशनगढ़ गांव की तरफ आ रहा है। जिसमें अवैध शराब भरी होने की सम्भावना है। सूचना पर थानाधिकारी मनोहरपुर मय पुलिस जाने रोड़ पर पहुंचे तथा नाकाबंदी की गई। मुताबिक सूचना के एक पीकअप के आने पर रुकवाया जाकर चेक किया गया तो पिकअप में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की विभिन्न ब्रांड की कुल 164 पेटियां (कुल 7872 पव्वे) शराब भरी हुईमिली। शराब के बारे में बिल बिल्टी कागजात मांगे तो कोई कागजात होना नहीं बताया तथा मुल्जिम द्वारा अवैध शराब शाहपुरा से राड़ावास ले जाना पाया गया। जिस पर आरोपी रमेश चौधरी पुत्र छीतर मल जाट निवासी ढाणी सीतावाली वार्ड न. 03 शाहपुरा थाना शाहपुरा जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा पिकअप में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब का परिवहन करने पर गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

- **पुलिस टीम का विवरण**

थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार, एएसआई जयराम, हैड कांस्टेबल लीलाधर, कांस्टेबल सुरज्ञान, ओमप्रकाश, यादराम, दारा सिंह, नरेन्द्र पुलिस टीम के सदस्य रहे।

रतन टाटा को मिले भारत रत्न, महाराष्ट्र सरकार ने पास किया प्रस्ताव

मुंबई/एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने आज एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास किया है। इससे पहले रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई और फिर यह प्रस्ताव पारित किया गया। अब केंद्र सरकार को इसे लेकर फैसला लेना है।

इससे पहले, शिंदे गुट के नेता राहुल कनाल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि यह रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता राहुल कनाल ने गुरुवार को एक पत्र के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से आग्रह किया था कि वह भारत सरकार को टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा के नाम को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के लिए प्रस्तावित करें। यह कदम रतन टाटा के अपार योगदान और उनके द्वारा मानवता के प्रति किए गए कार्यों की सराहना के लिए उठाया गया है।

राहुल कनाल ने पत्र में स्पष्ट किया कि रतन टाटा का जीवन दयालु भाव, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों से भरा हुआ है, जो उन्हें न केवल एक सफल उद्योगपति बनाते हैं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में भी प्रस्तुत करते हैं जो समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए सदैव तत्पर रहे हैं। उनका योगदान न केवल भारतीय उद्योग को आगे बढ़ाने में रहा है, बल्कि उन्होंने सामाजिक कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

अपने पत्र में राहुल कनाल ने लिखा, मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आपको अच्छे स्वास्थ्य और उत्साह से भरा हुआ मिलेगा। मैं श्री रतन टाटा जी के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, वो भारतीय उद्योग जगत के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, जिनका योगदान कॉर्पोरेट क्षेत्र से आगे बढ×कर हमारे समाज के ताने-बाने में समा गया है। वह न केवल एक दूरदर्शी नेता थे, बल्कि एक दयालु मानवतावादी भी थे। आवारा पशुओं के कल्याण के लिए उनके परोपकारी प्रयास, भारत भर में अपने पांच सितारा होटलों के माध्यम से आश्रय प्रदान करना, हमारे समाज के शोषित समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, वंचितों के लिए कैंसर अस्पताल स्थापित करने के प्रति उनके समर्पण ने सभी व्यक्तियों के स्वास्थ्य और सम्मान के अधिकार में उनके अटूट विश्वास को प्रदर्शित किया, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

हाँगकाँग में आयोजित होने जा रही 15 वीं एशियन ट्रेडिशनल ड्रैगन बोट चैंपियनशिप

जयपुर के खिलाड़ी रक्षित कायथ और कमला कुमारी कर रहे हैं भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) हाँगकाँग में 15वे एशियन ट्रेडिशनल ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में भारतीय टीम के 53 खिलाड़ी भाग ले रहे है टीम सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से होंगकोंग के रवाना हुई जिसमें जयपुर के दो युवा अतंराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी भाग ले रहे गौरतलब है कि रक्षित कायथ और कमला कुमारी का नेशनल टीम में सिलेक्शन हुआ था दोनों खिलाड़ी पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब के नेशनल खिलाड़ी है इस बारे में विस्तृत जानकारी देते पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने बताया स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ी एशियन प्रतियोगिता में भाग लेकर राज्य को गौरवान्वित किया है जिसका एक महीने का एलेप्पी बीच पुन्नामदा केरल राज्य में प्रक्षिक्षण कैम्प आयोजित किया था फेडरेशन प्रमुख रेगी के एस ने बताया खिलाड़ियों को रोज़ाना सुबह साय समुंद्र में ड्रैगन बोट् चलाने का अभ्यास करवाया जाता और उम्मीद है भारतीय टीम जीत कर आयेगी।

कांग्रेसियों ने गेगल टोल पर किया पायलट का भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

जयपुर/अजमेर (खलील कुरैशी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के अजमेर आगमन पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गेगल टोल पर भव्य स्वागत किया !गेगल टोल पर कांग्रेसियों ने 51 किलो की माला सफा पहनाकर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया !इस अवसर पर विधायक विकास चौधरी पूर्व विधायक राकेश पारीक शिव प्रकाश गुर्जर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हाजी इंसाफ अली अजमेर देहात कांग्रेस के उपाध्यक्ष सौरभ बजाड

अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव शिवकुमार बंसल रूपनगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीवन भाकर गेगल सरपंच नजमुद्दीन शेख नज्जू भाई पंचायत समिति सदस्य

भाजपा को लड्डू जलेबी छोड़कर जनता के वास्तविक मुद्दों पर बात करनी चाहिए :- सचिन पायलट

रफीक मोहम्मद खेताराम यूनुस खान देशवाली मनोज भगत रामकरण गुर्जर अनवर युवा नेता अरशद इंसाफ पंचायत समिति सदस्य युसूफ अहमद राजा महफूज खान जमील कुरेशी अनिल कुर्डिया सलमान खान सलीमुद्दीन कायड सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षाकर्मी दस हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

डूंगरपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ब्यूरो की डूंगरपुर इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए राजकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षाकर्मी को डूंगरपुर शहर में सिंटेक्स तिराहे पर परिवादी से दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसका पेंशन प्रकरण तैयार कर भिजवाने की एवज में आरोपित रमेश चंद कोटेड, शिक्षाकर्मी राजकीय प्राथमिक विद्यालय आरा, तहसील बिछीवाड़ा द्वारा 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

महाविद्यालय के छात्र ने की आत्महत्या

उज्जैन। तराना में रहने वाले युवक ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। फिलहाल आत्महत्या के कारण अज्ञात है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जानकारी अनुसार पारस पुत्र शिवनारायण मालवीय 23 वर्ष निवासी तराना, मांधव कॉलेज उज्जैन में बीए फाइनल का छात्र था। मंगलवार देर शाम को गंभीर हालत में उसके परिजनों ने प्रायवेट अस्पताल में उसे भर्ती कराया।

अमेरिका का एक पर्यटक मृत पाया गया

श्रीनगर। कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में एक होटल में अमेरिका का एक पर्यटक बेहोश पाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि 84 वर्षीय पर्यटक को होटल के कर्मचारियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी सोनमर्ग में स्थानांतरित कर दिया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने मृतक पर्यटक की पहचान रनमा अलाउद्दीन राजाबली के रूप में की जो डलास टेक्सास संयुक्त राज्य अमेरिका का निवासी था।

दो पक्षों के बीच जमकर चले लाठी डंडे, कई घायल

हरिद्वार। जनपद के लक्सर कोतवाली क्षेत्र में युवती के साथ छेड़खानी को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले, जिससे दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, लक्सर कोतवाली की रायसी पुलिस चौकी क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में युवती के साथ छेड़खानी को लेकर दो पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले, जिससे कई लोग घायल हो गए। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है।

बाइक सवारों ने की युवक पर फायरिंग

हरिद्वार। जनपद के लक्सर बस अड्डे पर खड़े युवक पर बाइक सवार तीन युवकों ने गोलियां चला दी। युवक ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। दिनदहाड़े गोली चलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के सेठपुर गांव निवासी मनीष ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने साथी आदित्य निवासी केहड़ा के साथ लक्सर रुड़की तिराहे के निकट बस अड्डे पर खड़ा था।

कानपुर में गांजा तस्करों से पुलिस की मुठभेड़

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात स्कूटी सवार दो गांजा तस्कर पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस टीम ने दोनों के कब्जे से सात किलो ग्राम से अधिक का गांजा बरामद किया है। श्रवण कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि पुलिस आयुक्त अखिल कुमार के निर्देश पर मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर काबू पाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रेन को पलटाने की साजिश, रायबरेली में ट्रैक पर सीमेंटेड स्लीपर रखा

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश करने का मामला सामने आया है। मंगलवार की देर रात रायबरेली-प्रयागराज रेलखंड के लक्ष्मणपुर में मालगाड़ी सीमेंटेड स्लीपर से जा टकराई। गनीमत ये रही कि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। आशंका है कि खेत में रखे तीन स्लीपरों को खींचकर ट्रैक पर लाकर रखा गया, हालांकि अभी इसको लेकर जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक सतना से सीमेंट क्लिंकर लेकर कुन्दनगंज मालगाड़ी रायबरेली की ओर आ रही थी।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से की भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा से भेंट की। 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का आयोजन अभी तक हुए राष्ट्रीय खेलों से बेहतर हो। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि उत्तराखंड को 38वें राष्ट्रीय खेलों की जिम्मेदारी मिली है, इसके लिए उन्होंने भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने पीटी उषा को बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन के लिए भी आमंत्रित किया।

सीएम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का हो रहा चंहुमुखी विकास : अरुण

भारत सरकार द्वारा राज्य में 8 सड़क खंडों के लिए 892 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने भारत सरकार द्वारा आठ सड़क खंडों के लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपये स्वीकृत करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री साव ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हो रहा है। राज्य में सड़कों के निर्माण में केंद्र सरकार का लगातार सहयोग मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने विगत 30 सितम्बर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के साथ नई दिल्ली में हुई

● नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा

बैठक में इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दी थी।

राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के छह जिलों में कुल 323.9 किलोमीटर सड़क खंडों के विकास के लिए इस साल 9 सितम्बर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को अपने एक्स हैंडल पर भारत सरकार द्वारा इन प्रस्तावों को मंजूर किए जाने की जानकारी साझा की है। उन्होंने लिखा है कि छत्तीसगढ़ के बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिलों में आठ राज्य सड़क खंडों के विकास के लिए सीआरआईएफ से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 892 करोड़ 36 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सीआरआईएफ से मंजूर की गई इस राशि से बेमेतरा और मुंगेली जिले में नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव-चौकी-मोहला मानपुर सड़क खंड, जशपुर जिले के बागबहार-कोतबा सड़क खंड, लुड़ेंग-तपकरा-लावाकेरा सड़क खंड और जशपुर-आस्टा-कुसमी सड़क खंड के मजबूतीकरण का कार्य भी इनमें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी-सरवानी-पसीद-अमलडिहा-बरतोरी-दगोरी सड़क खंड तथा राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले के राजनांदगांव-कवर्धा-पोंडी सड़क खंड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य भी इस राशि से किया जाएगा।

जॉय और पूर्व मंत्री पलक समेत 19 के खिलाफ एनआईडी डेटा लीक का आरोप

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, अवामी लीग नेता और पूर्व आईसीटी राज्यमंत्री जुनैद अहमद पलक समेत 19 लोगों पर राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) डेटा लीक का कथित आरोप लगा है। इन सभी के खिलाफ कफरूल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, जॉय और अन्य पर कथित तौर पर संगठित सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा प्रदान करने का आरोप है।

कहा गया है कि जॉय व अन्य ने डिजिकॉन को व्यावसायिक लेनदेन के लिए एनआईडी जानकारी का उपयोग करने की अनुमति दी। 39 वर्षीय एनामुल हक ने बुधवार तड़के ढाका के कफरूल पुलिस स्टेशन में साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। कफरुल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी काजी गोलाम मुस्तफा ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, शिकायकर्ता ने आरोप लगाया है कि सजीब वाजेद जॉय और जुनैद अहमद पलक ने सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया। आरोपितों ने राष्ट्रीय और व्यक्तिगत सुरक्षा से समझौता कर डिजिकॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड को विभिन्न संगठनों के साथ व्यावसायिक लेनदेन के लिए एनआईडी जानकारी का उपयोग करने की अनुमति दी।

यह संवेदनशील जानकारी लगभग 182 संगठनों को बेची गई। इस बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। उल्लेखनीय है कि जुनैद अहमद पलक को कई मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। वर्तमान में उन्हें कई अन्य मामलों के सिलसिले में पुलिस रिमांड पर लिया जा रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना है जरुरी: राजेन्द्र

भोपाल। एजेंसी

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) के अवसर पर प्रदेशवासियों को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध हमारे दैनिक जीवन, विचारधारा और दिनचर्या से होता है। स्वस्थ मानसिक स्थिति के लिए योग, प्राणायाम, और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। नियमित योग और प्राणायाम तनाव को कम करने, मानसिक शांति बनाए रखने और जीवन में सकारात्मकता लाने का प्रभावी साधन है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वैदिक जीवनशैली और आहार संबंधी आदतों पर जोर देते हुए कहा कि संतुलित आहार और सात्विक जीवन-शैली हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। शुद्ध और

पौष्टिक आहार का सेवन हमारे मन को शांत और स्थिर रखता है। ताजा भोजन और नियमित दिनचर्या का पालन कर हम मानसिक तनाव और अवसाद से बच सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को समझें, सहायता लेने में न हिचकिचाएं

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन अक्सर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद और अन्य भावनात्मक समस्याएं किसी भी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती हैं। इन लक्षणों को पहचानना और सही समय पर डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सहायता लेना बेहद जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर इलाज कराने में संकोच न करें। सही मार्गदर्शन और उपचार से आप स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक विकारों से ग्रस्त लोगों को सहायता प्रदान करना है। इस वर्ष की थीम 'मानसिक स्वास्थ्य को कार्यस्थल पर बढ़ावा देने' से संबंधित है। जो कि कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर केंद्रित है। प्रदेश में 10 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक मानसिक स्वास्थ्य माह का आयोजन किया जाएगा।

लाडली बहना योजना पर मप्र से महाराष्ट्र तक गरमाई सियासत

भोपाल। एजेंसी

लाड़ली बहना योजना को लेकर मध्य प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक सियासत छिड़ी हैं। अद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत ने लाड़ली बहना योजना को लेकर बड़ा बयान दिया था। जिस पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जब से हमने लाडली बहना योजना शुरू की है लगातार हर महीने, निश्चित समय पर महिलाओं के खाते में पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को लेकर लगातार भ्रम फैलाया जा रहा है, लेकिन लाडली बहना योजना बंद नहीं होगी।

दरअसल महाराष्ट्र में भी बीजेपी गठबंधन सरकार ने लाड़ली बहना की तर्ज पर माझी लाडकी बहिण योजना लांच की है। इस बीच संजय राउत ने कहा कि, लाडली बहना योजना देश के किसी भी हिस्से में सफल नहीं हो पाई है, यह सिर्फ एक राजनीतिक खेल है। इस योजना से अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। संजय राउत के इस बयान पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जब से हमने राज्य लाडली बहना योजना शुरू की है। हर महीने, निश्चित समय पर बहनों को पैसे देने का काम किया है। हमने हमारी 500 साल पूर्व की सम्राज्ञी वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर एक साथ पूरे प्रदेश की बहनों के खातों में 5-5 हजार की राशि डाली है। कोई ऐसा महीना नहीं जा रहा है जिसमें यह राशि नहीं डाली गई है। संजय राउत पर वार करते हुए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि लाडली बहना योजना के पैसे हर महीने मिल रहे हैं।

अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़

हरिद्वार। पुलिस ने अवैध पटाखा कारखाना का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 70 पेटी अवैध पटाखे और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, आगामी त्यौहारी मौसम को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है, जिसके चलते पुलिस सत्यापन व चेकिंग अभियान चला रही है। वहीं अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए भी पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया हुआ है। इसी के परिणामस्वरूप कलियर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर धनौरी चौकी क्षेत्र के ग्राम मुकरपुर में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने सूचना पर छापा मारकर मौके से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ जब्त किया। इसी के साथ पुलिस ने 70 पेटी अवैध पटाखे बरामद किए। पुलिस ने मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए दोनों आरोपित फैक्ट्री के संबंध में पुलिस द्वारा लाइसेंस व अन्य कोई दस्तावेज पुलिस को नहीं दिखा पाए। बिना लाइसेंस के अवैध रूप से आबादी के बीच पटाखा बनाने पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रॉ मैटेरियल व पटाखा फैक्ट्री को सील कर मुकदमा दर्ज कर लिया। पकड़े गए आरोपितों के नाम नोमान लक्सर 27 वर्ष निवासी मुखियालीपुर थाना व सुहैल 20 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 4 कलियर बताए।

इजराइल ने सीरिया में हिजबुल्लाह कमांडर को बनाया निशाना

दमिश्क। एजेंसी

इजराइल ने सीरिया में हिजबुल्लाह के एक कुख्यात कमांडर को निशाना बनाया। इजराइल के दो अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में इजराइल के सुरक्षाबलों ने एक आवासीय इमारत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। यह हमला ईरानी दूतावास के पास किया गया। सुरक्षाबलों ने हथियारों की तस्करी में शामिल हिजबुल्लाह के कमांडर को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में इसका उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सीरिया की राज्य समाचार एजेंसी ने एक सैन्य स्रोत का हवाला देते हुए कहा कि रॉकेटों ने महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की जान ले ली। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि है हमले में हिजबुल्लाह कमांडर मारा गया या

नहीं। ईरानी दूतावास ने कहा कि हमले में कोई भी ईरानी नागरिक नहीं मारा गया। ना ही घायल हुआ। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में और सैनिक भेजे द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कल दक्षिणी लेबनान में और अधिक सैनिक भेजे हैं। इससे संकेत मिलता है कि इजराइल के सुरक्षा बल जमीनी आक्रमण को और तेज कर सकते हैं। गाजा हो गया खंडहर अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के सैन्य अभियान के बाद गाजा का अधिकांश क्षेत्र खंडहर हो गया है।

अधिवक्ताओं के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन

हरिद्वार। भारत विकास परिषद ने अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य लाभ हेतु मैक्स अस्पताल देहरादून के सहयोग से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जिसमें डॉ. सिराज खान, डॉ. दृष्टि सुराज गुप्ता और डॉ. गीतिका राव ने कैंप में आने वाले सभी अधिवक्ताओं को जीवन में फिट रहने के लिए हेल्थ टिप्स दिए और उनकी बीमारियों की जांच की। शिविर में कुल 287 वकीलों ने न्यूरो, आर्थो, जनरल फिजिशियन के साथ ही बीपी, शुगर की जांच करवाई। शिविर का शुभारंभ रानीपुर के भाजपा विधायक आदेश चौहान ने किया। विधायक ने कहा कि मेडिकल चेकअप कैंप एक सराहनीय कदम है। मैं आशा करता हूं कि इस मेडिकल कैंप का लाभ सभी वकील उठाएंगे। बीपी गुप्ता व पंचपुरी शाखा के अध्यक्ष निखिल वर्मा ने कहा कि भारत विकास परिषद स्वास्थ्य के क्षेत्र में सभी को जागरुक करने के लिए काम कर रही हैं।

हरियाणा के चुनावी नतीजों पर हिमाचल की गारंटियों का असर नहीं : कांग्रेस

शिमला। एजेंसी

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। यहां कांग्रेस को इस बार भी विपक्ष में बैठना पड़ेगा। हिमाचल भाजपा के नेता हरियाणा में कांग्रेस के हार की वजह हिमाचल की गारंटियों को बता रहे हैं। वहीं सुक्खू सरकार में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने इस तरह की परिस्थितियों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि राज्यों के चुनाव स्थानीय मुद्दों पर होते हैं और हरियाणा में वोटों का ध्रुवीकरण हुआ है। उन्होंने बुधवार को शिमला में कहा कि प्रदेश में भाजपा के नेता यह जताने की कोशिश कर रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश की गारंटीयों का असर हरियाणा पर पड़ा है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव जीते हैं और वहां पर सरकार बन रही है लेकिन हरियाणा में नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं मिले हैं।

हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि हरियाणा के चुनाव परिणाम पर मीडिया का आकलन भी पहले से यही था कि वहां पर कांग्रेस की सरकार बन रही है बावजूद इसके हरियाणा में चुनाव नहीं जीत पाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा में क्यों चुनाव हारे इसका आंकलन करने की जरूरत है और कांग्रेस आलकमान निश्चित रूप से इसके कारणों को खंगालेगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने हरियाणा के दो हलकों में की दो चुनावी रैलियां, एक में कांग्रेस को मिली हार

कांग्रेस हाईकमान ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु को स्टार प्रचारक बनाया था। हालांकि अस्वस्थ होने की वजह से वे हरियाणा के चुनाव प्रचार में ज्यादा समय नहीं दे पाए। सुक्खू ने प्रचार के आखिरी दौर में हरियाणा के पंचकूला और चरखी दादरी में कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभाएं कीं और हिमाचल की गारंटियों को पूरा करने का जिक्र किया।

सुख-समृद्धि | कालरात्रि स्वरूपा मां विंध्यवासिनी खोलती हैं सिद्धियों के द्वार

मां कालरात्रि के दर्शन कर भक्तों ने स्वयं को किया कृत्तार्थ

● विंध्य कारिडोर निर्माण से भक्तों को संकरी गलियों से निजात मिल गई है

● श्रद्धालुओं की भीड़ से समूचा विंध्यधाम पटा रहा

मीरजापुर। एजेंसी

शारदीय नवरात के सातवें दिन बुधवार को भक्तों ने पापियों का संहार करने वाली देवी मां कालरात्रि के दर्शन कर स्वयं को कृत्तार्थ किया। मंगलवार की मध्य रात्रि के बाद से ही मंदिर पर भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। बुधवार भोर की मंगला आरती के

बाद गर्भगृह का पट खुलते ही मां की एक झलक पाकर भक्त निहाल हो गए। अष्टभुजा और काली खोह मंदिरों पर पहुंचकर दर्शनार्थियों ने दर्शन पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने भोर में गंगा स्नान करने के बाद मां विंध्यवासिनी का विधि विधान से दर्शन पूजन किया। इसके बाद अष्टभुजा एवं कालिखोह मंदिर में दर्शन पूजन कर भक्तों ने त्रिकोण परिक्रमा की। श्रद्धालुओं की भीड़ से समूचा विंध्यधाम पटा रहा। रेलवे स्टेशन एवं रोडवेज परिसर में भी बड़ी संख्या में यात्री वाहनों के इंतजार में बैठे रहे।

विंध्य कारिडोर निर्माण से भक्तों को संकरी गलियों से निजात मिल गई है। अब भक्तों की विंध्यवासिनी मंदिर से गंगा घाट व गंगा घाट से मंदिर पहुंचने की राह आसान हो गई है। साथ ही विंध्यवासिनी मंदिर से गंगा दर्शन करना भी सुगम हो चुका है। पहले तो विंध्यवासिनी मंदिर भी ठीक से नहीं दिखाई देता था, लेकिन अब प्राकृतिक फूलों, चुनरी व रंग-बिरंगी लाइटों से सजा विंध्यधाम अलौकिक छंटा बिखेर रहा है। नवरात्र में लाखों भक्त मां के दरबार में आते हैं। भक्तों का कहना है कि यहां आने पर मन को शांति मिलती है। साथ ही मां उनकी मनोकामना भी पूर्ण करती हैं।

पापियों का संहार करने वाली हैं कालरात्रि

मां विंध्यवासिनी की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। मां कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है, लेकिन यह सदैव शुभ फल देने वाली है। इसी कारण इनका नाम शुभकारी भी है। मां कालरात्रि पापियों का संहार करने वाली हैं।

तंत्र साधना में जुटे साधक

सप्तमी के समापन और अष्टमी के आगमन के काल को कालरात्रि की पूजा का विधान है। तंत्र साधना के लिए विध्यधाम के शिवपुर स्थित मां तारा मंदिर, अष्टभुजा, कालीखोह, भैरव कुंड व मोतिया तालाब पर तंत्र साधक साधनारत रहे।

जम्मू-कश्मीर के लोगों के हित के लिए केंद्र के साथ अच्छे संबंध जरूरी : उमर

श्रीनगर। एजेंसी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के हित के लिए केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर में नवगठित सरकार को संघर्ष में उलझने के बजाय नई दिल्ली के साथ समन्वय पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्रीनगर में पत्रकारों से वार्ता में उमर ने कहा कि सरकार बनने दीजिए और सरकार बनने के बाद केंद्र के साथ काम करना मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे और कठिनाइयां दिल्ली से लड़ने से हल नहीं होंगी। हमारी भाजपा के साथ प्रतिद्वंद्विता है, केंद्र से लड़ना हमारा उद्देश्य नहीं है।

उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने राजनीतिक लड़ाई के बजाय प्रगति, राज्य का दर्जा, रोजगार और बिजली आपूर्ति जैसे ज्वलंत मुद्दों के समाधान के लिए वोट दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि केंद्र के साथ उचित संबंध बनाए रखना जम्मू-कश्मीर और उसके लोगों के लिए फायदेमंद होगा।

संक्षिप्त खबरें

खेलों में प्रतिभाग से होता है तेज शारीरिक व मानसिक विकास: संयुक्त शिक्षा निदेशक

मुरादाबाद। जनपदीय शैक्षिक युवा क्रीड़ा समारोह का प्रारंभ बुधवार को पारकर इंटर कॉलेज के मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षक निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता शुरू कराई। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने कहा कि खेलों में प्रतिभाग करने से शारीरिक व मानसिक विकास तेजी से होता हैं। पढ़ाई के साथ-साथ क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना भी आवश्यक है। जनपदीय शैक्षिक युवा क्रीड़ा समारोह के शुभारंभ पर सभी संकुलों के छात्र-छात्राओं ने मार्च पास्ट किया गया। इसकी अगुवाई जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के घोष बैंड ने की। प्रताप सिंह कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने द्वारा सरस्वती वंदना की। लक्ष्मी नारायण जगदीश सरन कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में स्वागत नृत्य किया। मंडलीय कीड़ा सचिव वंश बहादुर ने बताया कि प्रतियोगिता के तीन आयु वर्गों में 1200 से ज्यादा खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। पहले दिन लगभग 900 खिलाड़ी मैदान पर रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरुण कुमार दुबे, कार्यक्रम संयोजक बालक वर्ग हिंदू मॉडल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नन्हें सिंह, बालिका वर्ग की संयोजिका विमलेश कुमारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। संचालन वंश बहादुर सिंह ने किया। कार्यक्रम में अर्चना साहू, डॉ. श्वेता पूठिया, डॉ. मुक्ता अग्रवाल, मेजर डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. एसके नेथन, समरपाल सिंह, डॉ. विजेंद्र सिंह, राजीव सिंह, उपासना आदि मौजूद रहे।

एलएलसी 2024: इंडिया कैपिटल्स का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह पक्की करना

श्रीनगर। जीएमआर ग्रुप की फ्रेंचाइजी इंडिया कैपिटल्स, बक्शी स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज कर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने और दूसरे स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगी। अपने पिछले मैच में आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल करने के बाद, कैपिटल्स का लक्ष्य लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) सीजन 3 के ग्रुप स्टेज को शानदार तरीके से खत्म करना है। 6 अंकों के साथ और गुजरात ग्रेट्स पर ताजा जीत के बाद, कैपिटल्स वर्तमान में अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, मणिपाल टाइगर्स 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस उच्च-दांव वाले मुकाबले में जीत कैपिटल्स को न केवल प्लेऑफ में जगह दिलाएगी बल्कि शीर्ष-दो स्थान को सुरक्षित करने के लिए उनकी दावेदारी को भी मजबूत करेगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरूआती मैच से बाहर हुए विलियमसन

वेलिंगटन। केन विलियमसन के भारत रवाना होने में देरी होगी और हाल ही में कमर में खिंचाव के कारण वह बेंगलुरु में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। विलियमसन को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान असहजता महसूस हुई थी और भारत में टीम में शामिल होने से पहले उन्हें रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार (9 अक्टूबर) को एक मीडिया विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने उम्मीद जताई कि विलियमसन रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद सीरीज में बाद में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। वेल्स ने कहा हमें जो सलाह मिली है, वह यह है कि केन के लिए सबसे अच्छा उपाय यह है कि वह चोट को और बढ़ाने के जोखिम के बजाय आराम करें।

भारतीय महिला टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने बुधवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता। एशियाई टेबल टेनिस संघ द्वारा 1972 में प्रतियोगिता आयोजित करने के बाद से यह भारत के लिए महिला टीम स्पर्धा में पहला पदक है। सेमीफाइनल में भारत जापान से 1-3 से हार गया जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने हांगकांग को 3-0 से हराया।
हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्ट को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाता है। अयहिका मुखर्जी

को पहले एकल मुकाबले में मिवा हरिमोटो से 2-3 (8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका बत्रा ने सतसुकी ओडो पर 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) की जीत के साथ स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, मीमा इटो ने सुतिर्था मुखर्जी को 3-0 (11-9, 11-4, 15-13) से हराया और हरिमोटो ने बत्रा को 3-1 (11-3, 6-11, 11-2, 11-3) से हराकर जापान के लिए मुकाबला पक्का कर दिया। भारत ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर पदक पक्का कर लिया था। बाद में, भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में मेजबान कजाकिस्तान से भिड़ेगी।

सिनर, अल्कराज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

शंघाई। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर का शंघाई मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेदवेदेव से मुकाबला होगा, दोनों ने बुधवार को सीधे सेटों में जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया। सिनर ने अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से हराया, जबकि मेदवेदेव ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(3), 6-3 से हराया। 16वीं रैंकिंग वाले शेल्टन ने पिछले साल इसी चरण में सिनर को हराया था, लेकिन बुधवार को इटालियन खिलाड़ी शुरू से ही आत्मविश्वास में दिखे और 88 मिनट में जीत दर्ज की। सिनर ने कहा यह बहुत कठिन था, जब आप उनके खिलाफ खेलते हैं तो आपके पास इतना नियंत्रण नहीं होता... मैंने बस मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव और सितसिपास 14वीं बार आमने-सामने थे। सितसिपास ने दूसरे सेट की शुरूआत जोरदार तरीके से की, पहले गेम में ब्रेक किया।

सचिवालय कप : यूपीसीएल, सचिवालय ए अंतिम चार में, गुरुवार को खेले जाएंगे सेमीफाइनल मुकाबले

देहरादून। एजेंसी

यूपीसीएल और सचिवालय ए ने अंतर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता सचिवालय कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में तीसरे क्वार्टर फाइनल में यूपीसीएल ने सचिवालय डेंजर को 5 विकेट से हरा दिया। मैच में डेंजर की टीम पहले खेलते हुए 110 रन पर ऑल आउट हो गई। नूर से सबसे ज्यादा 28 और अरविंद ने 21 रन बनाए। गौरव घिल्डियाल ने 2 और दीपक मधवाल ने 3 विकेट लिए। जवाब में यूपीसीएल की टीम ने 13.4 ओवरों में 05 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। शुभम ने 31, शेखर और किरण ने 23-23 रन बनाए। नीरज भंडारी ने 03 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच गौरव

घिल्डियाल (दारा) को दिया गया। यहां दूसरा मैच सचिवालय ए एवं सीएमओ किंग्स 11 के बीच खेला गया। सचिवालय ए की टीम ने पहले खेलते हुए 08 विकेट पर 156 रन बनाए। हरीश सैनी ने 67 और भूपेंद्र जोशी ने 21 रन बनाए। मसरूफ अली और श्यामपाल ने 02-02 विकेट लिए। जवाब मे सीएमओ किंग्स 11 की टीम 20 ओवरों में 09 विकेट पर 114 रन ही बना सकी।
सुनील पंवार ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। मदन ने शानदार 04 और राकेश जोशी ने 03 विकेट लिए। इस तरह सचिवालय ए ने मैच 42 रनों से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच मदन को दिया गया। क्वार्टर फाइनल दौर समाप्त होने के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों की भी पुष्टि हो गई है। इन चार टीमों में स्कूल एजुकेशन, यूजेविएनएल, यूपीसीएल और सचिवालय ए शामिल हैं। गुरुवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट

मुल्तान। एजेंसी

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, वह टेस्ट क्रिकेट में श्री लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। रूट ने मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर 71 रन का आंकड़ा छूते ही पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।
रूट अब तक इंग्लैंड के लिए लंबे प्रारूप में 12513 रन बना चुके हैं, समाचार लिखे जाने तक रूट 111 रन बनाकर नाबाद हैं। कुक ने टेस्ट क्रिकेट में श्री लायंस के लिए 12472 रन बनाए थे। रूट ने 43वें ओवर में पाकिस्तान के अबरार अहमद के खिलाफ

सिर्फ एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड हासिल किया। ब्रिटिश क्रिकेटर द्वारा रिकॉर्ड हासिल करने के तुरंत बाद इंग्लैंड का ड्रेसिंग रूम खड़ा हो गया और 33 वर्षीय की उपलब्धि का सम्मान करने के लिए तालियां बजाने लगा। रूट ने 2012 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

फुटबॉल केन्या फेडरेशन के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने दिया इस्तीफा

नैरोबी। फुटबॉल केन्या फेडरेशन (एफकेएफ) के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने मंगलवार को औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा शासी निकाय के चुनावों से बमुश्किल दो महीने पहले आया है। संचार अधिकारी से मुख्य कार्यकारी तक का पद संभालने वाले ओटिएनो ने पांच साल तक इस पद पर काम किया था, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह अगले एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक बयान में ओटिएनो ने कहा इस प्रतिष्ठित पद पर पांच साल तक काम करने के बाद, मैंने पद छोड़ने और अन्य अवसरों का लाभ उठाने का फैसला किया है। एफकेएफ के साथ मेरा सफर फायदेमंद और परिवर्तनकारी दोनों रहा है। नवंबर 2021 में, ओटिएनो और निक म्वेंडवा, जो एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में फिर से चुनाव की मांग कर रहे हैं, को 2017 और 2021 के बीच महासंघ को सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन से संबंधित आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। उस महीने के अंत में, तत्कालीन खेल कैबिनेट सचिव अमीना मोहम्मद ने महासंघ को भंग करने के बाद एफकेएफ को चलाने के लिए एक कार्यवाहक समिति नियुक्त की। विश्व फुटबॉल शासी निकाय फीफा ने तब सरकार द्वारा हस्तक्षेप जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। केन्या को मार्च 2022 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से निलंबित कर दिया गया था। फीफा द्वारा नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय निलंबन समाप्त करने से पहले दोनों के खिलाफ मामला वापस ले लिया गया था।

महिला टी20 विश्व कप: श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले मंधाना ने कहा- नेट रन रेट पहली प्राथमिकता नहीं

दुबई। एजेंसी

भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने चल रहे महिला टी 20 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबला खेलने से पहले कहा है कि नेट रन रेट (एनआरआर) उनकी पहली प्राथमिकता नहीं है। ग्रुप ए एक करीबी मुकाबला बन गया है क्योंकि पांच में से चार टीमें दो-दो अंक लेकर बैठी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 58 रनों की हार के बाद भारत ने खुद को अजीबोगरीब स्थिति में ला दिया है। भारत ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 6 विकेट की जीत के साथ अपने अंकों की शुरूआत की। हालांकि, भारत को 106 रनों का पीछा करने में 18.5 ओवर लगे। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की बड़े अंतर से हार भारत के लिए

फायदेमंद हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट अब -0.050 हो गया है ओर अब वह एक जीत और एक हार के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गया है।
ऐसे में भारतीय टीम फिर से सेमीफाइनल की रेस में आ गई है। भारत वर्तमान में -1.217 के एनआरआर के साथ चौथे स्थान पर है। ग्रुप में भारत की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि वे श्रीलंका के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ₹नेट रन रेट पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में हमारे दिमाग में चल रहा था। लेकिन यूएई में स्थितियां बहुत अलग हैं और तेजी से रन बनाना आसान नहीं है। पहली प्राथमिकता मैच जीतना है और यह टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है और एनआरआर के संदर्भ में हम क्या कर सकते हैं, के बीच संतुलन है। मैंने पिछले गेम में अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन बाद में मैंने डॉट बॉल खेली, जो मेरे लिए परेशान करने वाला था। हम यह सोचकर मैदान पर नहीं उतर सकते कि हम किसी भी विपक्षी टीम पर हमला करेंगे और क्रूज करेंगे, स्थितियां और आउटफील्ड कठिन हैं। इन परिस्थितियों में एनआरआर के बारे में सोचने की बजाय पहली प्राथमिकता जीतना है। समूह निश्चित रूप से मुश्किल है, लेकिन यह सिर्फ शुरूआत है, हम बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहते।

व्यापार

आरबीआई ने लगातार 10वीं बार रेपो रेट 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का जताया अनुमान

मुंबई। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में लगातार 10वीं बार बदलाव नहीं किया। आरबीआई ने रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा । इस फैसले से आपके लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद इसकी घोषणा की। आरबीआई गवर्नर ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त एमपीसी ने बहुमत से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। शक्तिकांत दास ने

कहा कि एमपीसी की बैठक में यह फैसला 5-1 की बहुमत से लिया गया। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी किया था।
शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अपना अनुमान बरकरार रखा है। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर भी 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखने का फैसला एमपीसी ने 5-1 से लिया है। केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर को नई मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है।
आरबीआई के एमपीसी में 6 सदस्य हैं, जिनमें केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास सहित तीन सदस्य हैं, जिनमें डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज शामिल हैं। रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक किसी भी तरह की कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसे उधार देता है।

शेयर बाजार में कारोबार के दौरान तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है। कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। शुरूआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनाने की भी कोशिश हुई, लेकिन खरीदारी के जोर के कारण शेयर बाजार लगातार हरे निशान में ही बना रहा। सुबह 10 बजे के करीब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का ऐलान होने के बाद शेयर बाजार में एक बार फिर जोरदार तेजी का माहौल बन गया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.45 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, ट्रेंट लिमिटेड,

बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 4.29 प्रतिशत से लेकर 2.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर नेस्ले, ब्रिटानिया, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ओएनजीसी के शेयर 3.90 प्रतिशत से लेकर 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,379 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,028 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

सस्ती हुई चांदी, सोना के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना सपाट स्तर पर बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में करीब 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के सपाट स्तर पर कारोबार करने की वजह से देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,590 रुपये से लेकर 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये से लेकर 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अब यूपीआई लाइट के जरिए एक बार में होगा एक हजार रुपये का भुगतान

मुंबई। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती लोकप्रियता को बढ़ावा देने के मकसद से यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा बढ़ाकर एक हजार रुपये और वॉलेट की सीमा 5 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। फिलहाल यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा 500 रुपये और 2 हजार रुपये है। आरबीआई इस बारे में जल्दी ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और समावेशी बनाकर देश के वित्तीय

परिदृश्य को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी आरबीआई की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी। शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि यूपीआई के उपयोग को और प्रोत्साहित करने तथा और समावेशी बनाने को लेकर यूपीआई 123 पे में प्रति लेन-देन की सीमा 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए करें प्रभावी प्रबंधन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली जिला कलक्टर्स की बैठक

जिला स्तरीय इनवेस्टर्स मीट से निवेशकों को करें आकर्षित : सीएम

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डेंगू, मलेरिया एवं स्क्रब टाइफस जैसी मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्य सरकार पूरी सर्तकता के साथ अलर्ट मोड पर कार्य कर रही है। जिला कलक्टर्स आमजन को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कलेक्टर्स को प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त स्वास्थ्यकर्मियों को नियोजित करने, स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने और 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित जिला कलक्टर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार तत्परता के साथ निर्णय ले रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जलभराव क्षेत्रों में सघन फॉगिंग करने के निर्देश दिए।

दीपावली से पूर्व हो क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत

» मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं नगरीय विकास विभाग को दीपावली से पूर्व प्रदेश की सभी क्षतिग्रस्त सड़को की मरम्मत एवं पेचवर्क करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। ऐसे में सड़क मरम्मत एवं पेच वर्क के कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों के डामरीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर्स को इन कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए मुख्यमंत्री ने राजस्व मण्डल अध्यक्ष हेमन्त गेरा को निर्देशित किया कि राजस्व प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में हर माह की अंतिम तारीख को जिला कलक्टर्स के साथ बैठक आयोजित कर रिपोर्ट लेवें। उन्होंने कहा कि संभागीय आयुक्त भी हर माह उपखण्डवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर इनकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय भिजवाएं। साथ ही, उन्होंने आमजन को जमीन से जुड़े प्रकरणों में त्वरित राहत देने के क्रम में जिला कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी को लम्बित नोटिस, 251–ए (रास्तों के प्रकरण), धारा 53 (भूमि विभाजन) प्रकरण के समयबद्ध निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

ये वरिष्ठ अधिकारीगण रहे मौजूद

» बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज उपस्थित रहे तथा समस्त जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े

● **किसानों को मिले पर्याप्त उर्वरक, जमाखोरी पर हो कार्रवाई–**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वृहद् स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कलक्टर्स को खाद के स्टॉक का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने किसानों के लिए डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी को प्रोत्साहित करते हुए कलक्टर्स को इसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।

समान पात्रता परीक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित

शर्मा ने 22 से 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाली समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलक्टर्स को प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा के लिए प्रभावी प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य इस परीक्षा में जुड़ा हुआ है, ऐसे में उनके लिए परिवहन, परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं।

● **जिला इनवेस्टर्स मीट का छोटे निवेशकों को मिलेगा लाभ–**

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इनवेस्टर्स मीट के माध्यम से राइजिंग राजस्थान को सफल बनाएं। उन्होंने जिला कलक्टर्स को जिलों में औद्योगिक संगठनों एवं उद्योगपतियों व सीए से सार्थक चर्चा कर निवेश की संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि छोटे निवेश भी जिले में रोजगार के नवीन अवसर सृजित करने में अहम साबित होंगे। श्री शर्मा ने समस्त जिला कलक्टर्स को रोजगार मेलों के आयोजन के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं पीएम इंटर्नशिप योजना के माध्यम से युवाओं को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

जोधपुर में पुलिस थाना झंवर के दो कानिस्टेबल द्वारा 30 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग

● **ट्रेप कार्यवाही की भनक लगने पर दोनों कानिस्टेबल मौके से रिश्वत राशि के साथ फरार, तलाश जारी**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर, गुरूवार । ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की जोधपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये रामचन्द्र एवं श्यामलाल दोनों कानिस्टेबल, पुलिस थाना झंवर, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर द्वारा परिवादी से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगने की शिकायत पर ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया। आरोपी कानिस्टेबलगण को ए.सी.बी. कार्यवाही की भनक लगने पर वे रिश्वत राशि 15 हजार रुपये के साथ मौके से फरार हो गये, जिनकी तलाश की जा रही है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध शिकायत में मुकदमा दर्ज नहीं करने एवं मदद करने की एवज में आरोपी रामचन्द्र एवं श्यामलाल दोनों कानिस्टेबल, पुलिस थाना झंवर, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर द्वारा परिवादी से 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस हरेन्द्र महावर के सुपरवीजन में एसीबी की जोधपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक मनीष वैष्णव के द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी कानिस्टेबल रामचन्द्र द्वारा परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत प्राप्त की गई। इसी दौरान आरोपी कानिस्टेबलगण रामचन्द्र एवं श्यामलाल को ए.सी.बी. कार्यवाही की भनक लगने पर वे रिश्वत राशि के साथ मौके से फरार हो गये, जिनकी तलाश की जा रहीहै।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

शुक्रवार को राजकीय अवकाश के दिन में संचालित होंगे उप पंजीयक कार्यालय

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। आमजन की सुविधा हेतु शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024 को राजकीय अवकाश के दिन भी उप पंजीयक कार्यालयों में राजकार्य होगा।उपमहानिरीक्षक, मुद्रांक डॉ. गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि कार्यालय महानिरीक्षक मुद्रांक एवं पंजीयन, अजमेर द्वारा जारी आदेशों की अनुपालना में कल शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024 को समस्त पूर्णकालिक एवं पदेन उप पंजीयक कार्यालय राजकीय अवकाश के बावजूद सामान्य कार्य दिवसों के समान खुले रहेंगे एवं दस्तावेजों के पंजीयन सहित अन्य समस्त राजकीय कार्य संपादित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राजभवन में राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

चमकता राजस्थान । जयपुर (खलील कुरैशी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजभवन पहुंच कर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास और आगामी अंतरराष्ट्रीय बहुउद्देशीय कार्यक्रम राइजिंग राजस्थान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी मुखर रूप से परिचर्चा भी की। मुख्यमंत्री शर्मा की राज्यपाल से यह आत्मीय सप्रेम शिष्टाचार भेंट थी।

63वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का समापन

युवा आत्मविश्वास के होंगे संबल और मजबूत तो देश मजबूत- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 अक्टूबर। 63वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का समापन समारोह गुरूवार को कोटा जिला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मल्टीपरपज में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों का आव्हान किया कि सकारात्मकता के साथ खेलते हुए अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारें और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित करें। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रथम रही अजमेर टीम एवं उप विजेता शाहपुरा व तृतीय स्थान पर रहे सीकर टीम को पुरस्कार दिए गए। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया शिक्षा मंत्री ने प्रतियोगिता में उप विजेता रहे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेल में किसी की जीत तो किसी की हार होती है लेकिन आपने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ खेल की भावना से खेला, यह सराहनीय है। विद्यार्थियों को स्वास्थ्य का महत्व बताते हुए कहा कि स्वस्थ रहेंगे तो सकारात्मक विचार आएंगे। जिस देश का युवा मजबूत होगा वो देश भी मजबूत रहेगा। उन्होंने पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई। अध्यक्षता विवेक राजवंशी ने की। विशिष्ट अतिथि एडीएम सिटी अनिल सिंघल एवं शिक्षा मंत्री ओएसडी सतीश गुप्ता रहे।स्वागत भाषण में संयुक्त निदेशक तेज कंवर ने आयोजनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 44 टीम ने भाग लिया तथा मॉडल प्रदर्शनी में 186 मॉडल प्रदर्शित किए गए। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के.के. शर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मीणा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ डाक दिवस पर जीवन बचाओ अभियान के तहत पोस्टकार्ड अभियान का हुआ विधिवत शुभारंभ

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर। कस्बे के हंसराज तिराया पर गुरुवार को जीवन बचाओ अभियानर के तहत डाक दिवस पर घर-घर पोस्ट-कार्ड अभियान का शुभारंभ विधायक मनीष यादव ने किया। शहर के अम्बेडकर नगर,शान्ति नगर,इन्द्रा कालोनी, पुलिस चौकी के पास कई स्थानों पर वर्षो से चल रहे अवैद्य नशे के कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों ने पोस्टकार्ड अभियान की शुरुआत की है। अभियान में घर घर सम्पर्क कर अवैद्य शराब बिक्री तथा अन्य नशे के कारोबार को बन्द करवाने के लिए मुख्यमंत्री को पोस्टकार्ड के जरिये मांग पत्र भेजना शुरू किया है। नशे के अवैध कारोबार को लेकर उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया लेकिन कोई पुख्ता कार्यवाही नहीं की गई । जिससे शहर में नशे का अवैद्य कारोबार खुलेआम फलफूल रहा है। इस दौरान अर्जुन मोहनपुरिया,पूर्व सरपंच,नाथूलाल सैनी ब्लाक अध्यक्ष,अल्लादीन खां,कैलाश गुर्जर,महेश जड़वाल,विजेन्द्र प्रजापति,पंकज मिश्रा,राजेन्द्र यादव,कानाराम मेहता, रफीक खान,लीलाराम सौंकरिया सहित आदि मौजूद रहे।

दो माह में प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों के भवनों का किया जाए निरीक्षण एकीकृत

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर प्रदेश चिकित्सा व्यवस्था के आधुनिकीकरण एवं दूरस्थ व्यवस्था के दिये निर्देश

प्लान बनाकर योजनाबद्ध रूप से कराया जाए मेंटीनेंस

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। प्रदेश में सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति का निरीक्षण कर समेकित प्लान बनाते हुए योजनाबद्ध रूप से मरम्मत एवं अन्य मेंटीनेंस कार्य करवाए जाएंगे तथा आवश्यक सुरक्षात्मक कदम उठाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को जनाना अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने बैठक में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों के विभिन्न विषयों पर समीक्षा करते हुए कहा कि रोगियों, परिजनों एवं स्वास्थ्य कार्मिकों की सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल भवनों का समय-समय पर मेंटीनेंस आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित अभियंताओं के माध्यम से आगामी दो माह में सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों के भवनों का निरीक्षण करवाकर रिपोर्ट प्राप्त की जाए। जहां भी भवन की स्थिति मानकों के अनुरूप नहीं, भवन पुराना है और मरम्मत एवं मेंटीनेंस की आवश्यकता है, उसके बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए।अस्पताल भवनों का किया जाए नियमित निरीक्षण श्री खींवसर ने कहा कि मेंटीनेंस कार्य टुकड़ों-टुकड़ों में करवाने के स्थान पर एकीकृत प्लान तैयार करें, ताकि पूरे अस्पताल में आवश्यक मेंटीनेंस कार्य एक साथ करवाए जा सकें और कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सकें। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि तात्कालिक मेंटीनेंस संबंधी कार्य आरएमआरएम में उपलब्ध राशि का समुचित उपयोग करते हुए तुरंत प्रभाव से करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन भी भवन की स्थिति की नियमित रूप से निगरानी रखे। कहीं भी खतरे की आशंका हो तो तुरंत प्रभाव से उस स्थान को खाली करवाकर दुरूस्त करवाएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंता भी उनके क्षेत्राधिकार से संबंधित भवनों की स्थिति का समय-समय पर निरीक्षण करें।

विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए होगी अंतरविभागीय समीक्षा बैठकें : चिकित्सा शिक्षा सचिव श अम्बरीष कुमार ने कहा कि अस्पताल भवनों के मेंटीनेंस एवं अन्य विषयों को लेकर नियमित रूप से अंतविभागीय बैठक आयोजित की जाए। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी जल्द मेंटीनेंस के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। अस्पतालों में मानव संसाधन से संबंधित आवश्यकताओं को संकलित कर जरूरी कार्यवाही की जाए, ताकि रोगियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो।

चिकित्सा मंत्री ने जनाना अस्पताल का किया बारिकी से औचक निरीक्षण

इससे पहले चिकित्सा मंत्री खींवसर गुरुवार प्रातः करीब 11.40 बजे अचानक जनाना अस्पताल पहुंचे और वहां अस्पताल भवन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विगत दिनों अस्पताल के एनआईसीयू में छत का प्लास्टर गिरने की घटना की जानकारी ली और मौके पर जाकर वस्तु स्थिति का जायजा भी लिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में विभिन्न इकाइयों में जाकर गहन निरीक्षण किया और रोगियों को उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

ये चिकित्सा अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (भवन) सुनील गुप्ता, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक सहित चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929